Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra

A State University of Uttar Pradesh (Paliwal Park, Agra -282004)

www.dbrau.ac.in

A Documentary Support

for

Matric No. – 1.1.1

Programme Outcomes & Course Outcomes

under the

Criteria – I

(Curriculum Design and Development)

Key Indicator - 1.1

in

Matric No. – 1.1.1

MATER OF ARTS (HINDI)

Global Need		**Local Need**	
Regional Need		**National Need**	

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

Registrar
Dr. B.R.A. University, Agra

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

सत्र-2022-23

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय – हिंदी

PROGRAMME OBECTIVES, PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES, PROGRAMME OUTCOMES
COURSE OBJECTIVES & COURSE OUTCOME

एम.ए. (हिंदी) (प्रथम सत्र) /

बी. ए. रिसर्च इन हिंदी (सप्तम् सत्र, वर्ष 04)

पाठ्यक्रम का निर्धारित प्रारूप एवं अंक योजना

पाठ्यक्रम का निर्धारण आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षाओं में कुल 100 अंकों में विभाजित है, जिसे बाह्य परीक्षा (75 अंक) तथा आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक) में विभाजित किया गया है।

Programme Educational Objective's (PEO's):

Course Code	Compulsory / Elective	Course Title	Credits	Evaluation	
				Internal	External
A010701T	अनिवार्य प्रश्नपत्र-1 (Compulsory) Major One	हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास	5	25	75

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

A010702T	अनिवार्य प्रश्नपत्र-2 (Compulsory) Major Two	हिंदी साहित्य का इतिहास-1 (आदिकाल से रीतिकाल तक)	5	25	75
A010703T	अनिवार्य प्रश्नपत्र-3 (Compulsory) Major Three	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्ति काव्यधारा	5	25	75
A010704T	अनिवार्य प्रश्नपत्र-4 (Compulsory) Major Four	सगुण भक्ति एवं रीतिकालीन काव्यधारा	5	25	75
A010705T	Minor/ Elective-1	जनसंचार एवं पत्रकारिता : अवधारणा एवं स्वरूप MINOR Elective (For other Faculty/Departments) (माइनर में हिंदी विषय का चुनाव करने वाले अन्य संकायों के विद्यार्थियों हेतु)	4	25	75
A010706R	अनिवार्य प्रश्नपत्र-5 Major-Five शोध परियोजना Research Project	शोध परियोजना (इस सत्र में विद्यार्थियों को शोध परियोजना का आवंटन, रूपरेखा निर्धारण एवं सामग्री संकलन का कार्य करते हुए शोध परियोजना के प्रथम चरण को पूरा किया जाएगा।)	4	शोध परियोजना के प्रथम चरण की प्रगति का मूल्यांकन विभागीय शिक्षकों द्वारा किया जायेगा एवं इस आधार पर 100 अंकों में से विद्यार्थी को अंक दिये जायेंगे ।	

Total credit=28

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

एम.ए. (हिंदी) (द्वितीय सत्र) /
बी. ए. रिसर्च इन हिंदी (अष्टम सत्र, वर्ष 04)
पाठ्यक्रम का निर्धारित प्रारूप एवं अंक योजना
पाठ्यक्रम का निर्धारण आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षाओं में कुल 100 अंकों में विभाजित है, जिसे बाह्य परीक्षा (75 अंक) तथा आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक) में विभाजित किया गया है।

Course Code	Compulsory / Elective	Course Title	Credits	Evaluation	
				Internal	External
A010801T	अनिवार्य प्रश्नपत्र-1 (Compulsory) Major One	हिंदी साहित्य का इतिहास -2 (आधुनिक काल)	5	25	75
A010802T	अनिवार्य प्रश्नपत्र-2 (Compulsory) Major Two	भारतीय काव्यशास्त्र	5	25	75
A010803T	अनिवार्य प्रश्नपत्र-3 (Compulsory) Major Three	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	25	75
A010804T	अनिवार्य प्रश्नपत्र-4 Major Four	आधुनिक काव्य-1 (छायावादपर्यन्त)	5	25	75
A010805R	अनिवार्य प्रश्नपत्र (Compulsory) Major Five शोध परियोजना Research Project	शोध परियोजना (इस सत्र में शोध परियोजना के द्वितीय चरण को पूर्ण करके विभाग में जमा की जाएगी एवं विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षक द्वारा इसका मूल्यांकन किया जाएगा।)	4	--	100

Total Credit=24

Programme Objective's (PO's)- Masters in Hindi

छात्रों को हिंदी साहित्य के वैचारिक और रणनीतिक ढांचे को समझने में मदद करना। अपेक्षित सीखने के परिणाम: इस पाठ्यक्रम के पूरा होने पर, छात्र सक्षम होंगे -

हिंदी साहित्य और भाषा की उत्पत्ति को समझने के लिए
हिंदी साहित्य के वर्गीकरण के आधार को समझने के लिए
महत्व को समझने के लिए हिंदी साहित्य के प्रत्येक कालखंड में दिए गए नामों का आधार उस काल की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक स्थिति के संदर्भ में आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की विशेषताओं को समझना और संबंधित काल के लेखन और लेखकों का परिचय देना।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

Programme Outcomes (PO's): Masters in Hindi

हिंदी में मास्टर ऑफ आर्ट्स कार्यक्रम को मानव के प्रति सहानुभूति विकसित करने और छात्रों की रचनात्मकता को बढ़ाने और उन्हें भाषा और साहित्य के संबंध को समझने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। वर्तमान में विभाग हिंदी में पीएचडी भी प्रदान करता है जो शोधार्थियों को आलोचनात्मक रूप से सोचने और विश्लेषण करने के लिए ज्ञान का उपयोग करने में सक्षम बनाता है। हमारे पाठ्यक्रम संचार की कला में महारत हासिल करते हैं और युवा पीढ़ी को हिंदी भाषा और साहित्य की सभी शाखाओं में पारंगत बनाते हैं। पाठ्यक्रम में छात्रों के सैद्धांतिक और व्यावहारिक कौशल पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्हें अपने सॉफ़्टवेयर कौशल का उपयोग करके साहित्य और समाज के संदर्भ में मानव व्यवहार का विश्लेषण करने के लिए बनाया गया है। कार्यक्रम विशेष वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो छात्रों को उनकी रुचि के क्षेत्र में अपनी पढ़ाई जारी रखने की अनुमति देता है। छात्रों को विशेषज्ञता के रूप में अध्ययन किए गए साहित्य पर रिपोर्ट जमा करने और अपने शोध निष्कर्ष प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, छात्रों के लेखन और विश्लेषणात्मक कौशल को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें सामाजिक-आर्थिक समस्या पर एक टर्म पेपर जमा करना आवश्यक है। इस प्रकार, हिंदी में परास्नातक कार्यक्रम का उद्देश्य है:

1: हिंदी में एमए हिंदी भाषा और साहित्य के संदर्भ में तर्कसंगत सोच, नैतिक मूल्यों और समग्र संस्कृति के प्रति शैक्षणिक वातावरण विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।
2: कार्यक्रम हिंदी साहित्य के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डालता है और यह सामाजिक समस्याओं और उसके विभिन्न पहलुओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों का उत्तर देने का प्रयास करता है।
3: उचित निष्कर्षों के साथ सिद्धांत और व्यवहार के बीच की खाई को पाटते हुए विभिन्न सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक-राजनीतिक मुद्दों को निष्पक्षता से उठाने के लिए छात्रों को आलोचनात्मक सोच और मानसिक कौशल विकसित करने के लिए तैयार करें।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

4: मीडिया के लिए अनुवाद और लेखन के माध्यम से रोजगार प्रदान करने वाले अनुसंधान या करियर के लिए छात्रों को तैयार करें।
5: मध्यकालीन, आधुनिक और समकालीन हिंदी साहित्य के क्षेत्र में समाज से संबंधित बहुआयामी मुद्दों के संबंध में छात्रों को अपनी सोच/राय विकसित करने के लिए तैयार करें।
6: एक तर्कसंगत और प्रबुद्ध नागरिक बनने के लिए जागरूकता पैदा करें ताकि वे सामाजिक सद्भाव के लिए व्यक्ति, समाज के बीच बातचीत को समझने की जिम्मेदारी ले सकें।

Programme Specific Outcome's (PSO's)- Masters in Hindi

हिंदी में एम.ए. कार्यक्रम हिंदी भाषा को कार्यात्मक हिंदी के रूप में समझने पर जोर देता है। हिंदी भाषा और साहित्य का ज्ञान संचार कौशल और लेखन कौशल विकसित करने में मदद करेगा। एक बार जब छात्र एमए हिंदी पाठ्यक्रम पूरा कर लेते हैं, तो वे विभिन्न क्षेत्रों जैसे शिक्षण, मास मीडिया, बैंक सेवा अनुसंधान और विस्तार सेवाओं और आधिकारिक भाषा नीति के तहत भारत सरकार के कई अन्य कार्यालयों में नौकरी के कई संभावित अवसरों की आशा करेंगे। वे रोजगार प्राप्त कर सकते हैं, इससे छात्रों को विशेष रूप से केएसईटी, नेट, आईएएस आदि में हिंदी विषय को मुख्य पाठ्यक्रम के रूप में लेकर सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने में सक्षम बनाया जा सकेगा। छात्र अर्जित भाषा ज्ञान को निम्नलिखित क्षेत्रों में लागू करने में सक्षम होंगे:

1. आलोचनात्मक सोच: स्वतंत्र शोध लेख लिखने के लिए आलोचनात्मक साहित्यिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए ज्ञान को लागू करें। आलोचनात्मक साहित्यिक विचारों के लिए तार्किक पद्धति से व्यक्तिगत, स्वतंत्र सोच का पता लगाना।
2. मात्रात्मक तर्क कौशल: किसी तर्क का मूल्यांकन करने के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण का उपयोग करने का तरीका समझें। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े ठोस साहित्यिक दृष्टिकोण वाले भाषा के उचित संचार कौशल का विकास करें।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

3. समस्या-समाधान कौशल: उन समस्याओं का विश्लेषण करें जिनका समाधान स्पष्ट हो। उन समस्याओं के लिए समाधान प्रस्तावित करें जिनके स्पष्ट उत्तर नहीं हैं।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

BA Hons (Hindi)

Programme Objectives (PO's)

डिग्री प्रोग्राम को भाषा, संस्कृति और समाज के क्षेत्र में ज्ञान और क्षमता प्रदान करने और शिक्षण, सिविल सेवा, मीडिया या जनसंपर्क जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता के लिए स्नातक स्तर पर तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

Programme Outcomes (PO's)

स्नातक व्याकरण, शब्दावली और शैलीगत बारीकियों के ज्ञान सहित हिंदी भाषा को पढ़ने, लिखने, बोलने और समझने में उन्नत दक्षता प्रदर्शित करेंगे।
स्नातकों को हिंदी साहित्य की गहरी सराहना और समझ होगी, जिसमें इसके ऐतिहासिक विकास, प्रमुख साहित्यिक आंदोलनों, शैलियों, विषयों और प्रमुख लेखकों और कार्यों शामिल हैं।
स्नातक उचित साहित्यिक सिद्धांतों और पद्धतियों को नियोजित करके कविता, गद्य, नाटक और निबंध सहित हिंदी साहित्यिक ग्रंथों का आलोचनात्मक विश्लेषण और व्याख्या करने में सक्षम होंगे।
स्नातक हिंदी भाषी दुनिया की सांस्कृतिक समृद्धि और विविधता के प्रति सराहना प्रदर्शित करेंगे, जिसमें इसकी परंपराएं, रीति-रिवाज, मूल्य और सामाजिक गतिशीलता शामिल हैं, जैसा कि साहित्य और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के अन्य रूपों में परिलक्षित होता है।
स्नातकों ने अनुसंधान कौशल विकसित किया होगा, जिसमें स्वतंत्र अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करने, प्रासंगिक डेटा इकट्ठा करने और विश्लेषण करने और लिखित और मौखिक दोनों प्रारूपों में अनुसंधान निष्कर्षों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता शामिल है।

Programme Specific Outcomes (PSO's)

स्नातक हिंदी में प्रभावी संचारक होंगे, लिखित और मौखिक दोनों रूपों में विचारों और तर्कों को स्पष्ट रूप से और प्रेरक रूप से व्यक्त करने में सक्षम होंगे, और साहित्यिक और सांस्कृतिक विषयों पर विद्वानों की चर्चा और बहस में शामिल होंगे।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

स्नातक हिंदी भाषा, साहित्य और अध्ययन के अन्य क्षेत्रों, जैसे इतिहास, दर्शन, समाजशास्त्र और भाषा विज्ञान के बीच अंतःविषय संबंधों को पहचानेंगे, और इन विषयों से अंतर्दृष्टि को हिंदी साहित्य और संस्कृति के अपने विश्लेषण में एकीकृत करने में सक्षम होंगे।
स्नातकों को भारत के भीतर और दुनिया भर के हिंदी भाषी समुदायों में शिक्षण, अनुवाद और व्याख्या, पत्रकारिता, प्रकाशन, सांस्कृतिक वकालत और अनुसंधान सहित विभिन्न कैरियर मार्गों और आगे की शैक्षणिक गतिविधियों के लिए तैयार किया जाएगा।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र /
एम. ए. हिंदी (9वां सत्र, वर्ष 5)

(नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी.ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)

पाठ्यक्रम का निर्धारित प्रारूप एवं अंक योजना

पाठ्यक्रम का निर्धारण आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षाओं में कुल 100 अंकों में विभाजित है, जिसे बाह्य परीक्षा (75 अंक) तथा आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक) में विभाजित किया गया है।

Course Code	Compulsory/ Elective	Course Title	Credits	Evaluation	
				Internal	External
A010901T	अनिवार्य प्रश्नपत्र-1 (Compulsory) Major One	आधुनिक काव्य-2 छायावादोत्तर काव्य (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता)	5	25	75
A010902T	अनिवार्य प्रश्नपत्र -2 (Compulsory) Major Two	हिंदी नाटक एवं एकांकी	5	25	75
A010903T	अनिवार्य प्रश्न-पत्र-3 (वैकल्पिक) Major Three (Optional)	रचनाकार का विशेष अध्ययन (इस प्रश्न पत्र में दिये गए विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन कर उस रचनाकार का विशेष अध्ययन किया जायेगा)	5	25	75
A010903T(i)		कबीर			
A010903T(ii)		जायसी			
A010903T(iii)		सूर			
A010903T(iv)		तुलसीदास			
A010903T(v)		बिहारी			
A010903T(vi)		घनानंद			
A010903T(vii)		मैथिलीशरण गुप्त			
A010903T(viii)		प्रसाद			

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

A010903T(ix)		पंत			
A010903T(x)		निराला			
A010903T(xi)		महादेवी वर्मा			
A010903T(xii)		दिनकर			
A010903T(xiii)		नागार्जुन			
A010903T(xiv)		अज्ञेय			
A010903T(xv)		आचार्य रामचंद्र शुक्ल			
A010903T(xvi)		प्रेमचंद			
A010903T(xvii)		हजारी प्रसाद द्विवेदी			
A010903T(xviii)		उषा प्रियंवदा			
A010903T(xix)		मन्नू भंडारी			
A010903T(xx)		चित्रा मुद्गल			
A010903T(xxi)		तेजेन्द्र शर्मा			
A010904T	अनिवार्य प्रश्न पत्र-4 (वैकल्पिक) Major Four (Optional)	समकालीन विमर्श-1 (यह प्रश्न पत्र वैकल्पिक है इसके अंतर्गत 2 विकल्प अध्ययन के लिए दिए जायेंगे जिनमें से किसी एक विकल्प का चयन अध्ययन हेतु विद्यार्थी को करना होगा)	5	25	75
A010904T(i)		स्त्री विमर्श			
A010904T(ii)		आदिवासी विमर्श			
A010905R	**अनिवार्य प्रश्न-पत्र-5** शोध परियोजना Major Five Research Project	शोध परियोजना (इस सत्र में विद्यार्थियों को शोध परियोजना का आवंटन, रूपरेखा निर्धारण एवं सामग्री संकलन का कार्य करते हुए शोध परियोजना के प्रथम चरण को पूरा किया जाएगा।)	4	शोध परियोजना के प्रथम चरण की प्रगति का मूल्यांकन विभागीय शिक्षकों द्वारा किया जायेगा एवं इस आधार पर 100 अंकों में से विद्यार्थी को अंक दिये जायेंगे ।	

Total Credit=24

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र /
एम. ए. हिंदी (10वां सत्र, वर्ष 5)

(नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी.ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)

पाठ्यक्रम का निर्धारित प्रारूप एवं अंक योजना

पाठ्यक्रम का निर्धारण आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षाओं में कुल 100 अंकों में विभाजित है, जिसे बाह्य परीक्षा (75 अंक) तथा आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक) में विभाजित किया गया है।

Course Code	Compulsory /Elective	Course Title	Credit	Evaluation	
				Internal	External
A0101001T	अनिवार्य प्रश्नपत्र-1 (Compulsory) Major One	आधुनिक काव्य -3 (समकालीन हिंदी कविता)	5	25	75
A0101002T	अनिवार्य प्रश्नपत्र -2 (Compulsory) Major Two	हिंदी कथा साहित्य (हिंदी उपन्यास एवं कहानी)	5	25	75
A0101003T	अनिवार्य प्रश्नपत्र -3 Major Three	हिंदी निबन्ध एवं गद्य की अन्य विधाएँ	5	25	75
A0101004 T	अनिवार्य प्रश्नपत्र -4 (वैकल्पिक) Major Four (Optional)	विद्यार्थी को इस प्रश्न-पत्र में दिये गये विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन अध्ययन हेतु करना होगा ।	5	25	75
A0101004 T (i)		लोक साहित्य			
A0101004 T(ii)		हिंदी आलोचना			
A0101004 T(iii)		हिंदी साहित्य के भक्ति काल का विशेष अध्ययन			
A0101004 T(iv)		हिंदी साहित्य के छायावाद युग का विशेष अध्ययन			
A0101004 T(v)		पाठालोचन			
A0101004 T(vi)		भाषाविज्ञान			
A0101004 T(vii)		सिनेमा एवं साहित्य			
A0101004 T(viii)		रचना विशेष का अध्ययन : रामचरितमानस			
A0101004 T(ix)		रचना विशेष का अध्ययन : कामायनी			
A0101004 T(x)		रचना विशेष का अध्ययन : नीला चाँद			

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

A0101004 T(xi)		रचना विशेष का अध्ययन : स्मृति की रेखाएँ			
A0101004 T(xii)		रचना विशेष का अध्ययन : क्या भूलूँ क्या याद करूँ			
A0101004 T(xiii)		रचना विशेष का अध्ययन : उर्वशी			
A0101004 T(xiv)		रचना विशेष का अध्ययन : मुझे चाँद चाहिए			
A0101005T	अनिवार्य प्रश्नपत्र -5 (वैकल्पिक) Major Five (Optional)	समकालीन विमर्श-2 (यह प्रश्न पत्र वैकल्पिक है इसके अंतर्गत 2 विकल्प अध्ययन के लिए दिए जायेंगे जिनमें से किसी एक विकल्प का चयन अध्ययन हेतु विद्यार्थी को करना होगा)	5	25	75
A0101005T(i)		प्रवासी साहित्य			
A0101005T(ii)		किन्नर विमर्श			
A0101006R	अनिवार्य प्रश्नपत्र-6 Major Six (Compulsory)	शोध परियोजना (इस सत्र में शोध परियोजना पूर्ण करके विभाग में जमा की जाएगी एवं विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षक द्वारा इसका मूल्यांकन किया जाएगा।)	4	--	100

Total Credit=24

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

विस्तृत पाठ्यक्रम

एम. ए. हिंदी प्रथम सत्र/

बी. ए. इन रिसर्च हिंदी सप्तम सत्र

Programme / **Class : M.A. Hindi /** **B. A. In Research (Hindi)**	**M.A. Hindi Ist Year/** **B. A. In research 4th Year**	**M. A. Hindi Ist Semester/** **B. A. in research 7th Semester**
Course Code **A010701T** **अनिवार्य प्रश्नपत्र - 1**	**Course Title** **हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास**	**Credit-5** **कुल अंक – 100** **आंतरिक मूल्यांकन - 25** **बाह्य मूल्यांकन – 75**

Course Objective's (CO's)

1-भाषा की समझ विकसित होगी।

2-हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास को समझ सकेंगे।

3-हिंदी की विविध बोलियों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे

Course Outomes (CO's)

1-विद्यार्थी की भाषाई समझ विकसित होगी।

2- भाषा के ज्ञान से विद्यार्थियों के भाषाई कौशल का विकास होगा।

इकाई-1 : हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि । भाषा के विविध रूप-व्यक्ति बोली, उपबोली, मातृभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, अन्तरराष्ट्रीय भाषा ।

इकाई-2 : हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय । अवधी, खड़ी बोली एवं ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास ।

इकाई-3 : प्राचीन भारतीय लिपियाँ-सामान्य परिचय । देवनागरी लिपि : नामकरण, उद्भव एवं विकास, देवनागरी लिपि के दोष और सुधार के लिए किए गए प्रयास। देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता ।

इकाई-4 : राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी का विकास, हिंदी की संवैधानिक स्थिति और वर्तमान स्थिति की समीक्षा।

इकाई-5 : हिंदी भाषा : वर्तमान स्थिति, वर्तमान मानक रूप तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी भाषा-हरदेव बाहरी, 2. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास- भोलानाथ तिवारी, 3. हिंदी भाषा स्वरूप एवं विकास- डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, 4. भाषाविज्ञान-डॉ. भोलानाथ तिवारी,

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पांच लघु उत्तरीय प्रश्न-	5X5=	25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरीय प्रश्न-	20X1=	20 अंक
कुल		75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

Programme / Class : M.A. Hindi / B. A. In Research (Hindi)	M.A. Hindi Ist Year/ B. A. In research 4th Year	M. A. Hindi Ist Semester/ B. A. in research 7th Semester
Course Code A010702T अनिवार्य प्रश्नपत्र - 2	Course Title हिंदी साहित्य का इतिहास-1 (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Credit-5 कुल अंक – 100 आंतरिक मूल्यांकन - 25 बाह्य मूल्यांकन – 75

Course Objective's (CO's)

1-हिंदी साहित्य की विकास यात्रा को समझना।

2-हिंदी साहित्य की विविध प्रवृत्तियों को जानना।

3-हिंदी साहित्य की आदिकाल से भक्तिकालीन प्रवृत्तियों को समझना।

Course Outcome's (CO's)

1-विद्यार्थी हिंदी साहित्य की परिस्थितियों को समझकर आगे बढ़ सकेंगे।

2-साहित्य के आदिकालीन एवं भक्तिकालीन परिदृश्य को समझकर नवीन शोध की ओर प्रवृत्त हुआ जा सकेगा।

इकाई-1 : हिंदी साहित्य का इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं। हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहासग्रन्थ, हिंदी के प्रमुख साहित्यिक केन्द्र, संस्थाएं एवं पत्र-पत्रिकाएं, काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण।

इकाई-2 : आदिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ (सिद्ध, नाथ व जैन साहित्य, रासो साहित्य, फुटकर काव्य), प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएं।

इकाई-3 : भक्तिकाल की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन की विभिन्न काव्यधाराएं तथा उनका वैशिष्ट्य ।

हिंदी संत काव्य- संत साहित्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि कबीर, नानक, रैदास, दादू एवं रज्जब, भारतीय धर्म-साधना में संत कवियों का योगदन ।

हिंदी सूफी काव्य- सूफी काव्य का वैचारिक आधार, सूफी काव्य का स्वरूप और हिंदी के प्रमुख सूफी कवि ।

सगुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएं- रामभक्ति विविध सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के प्रमुख कवि । कृष्ण काव्य : विविध सम्प्रदाय, बल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण भक्त कवि और काव्य, भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिंदी कृष्ण काव्य-मीरा, रसखान ।

इकाई-4 : रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ ।

रीतिकालीन प्रतिनिधि कवियों का परिचय-केशवदास, पद्माकर, बिहारी, घनानंद ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल, 2. हिंदी साहित्य का उद्भव एवं विकास-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, 3. हिंदी साहित्य का इतिहास-संपादक नगेन्द्र, 4. हिंदी साहित्य

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

की भूमिका- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, 5. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न- 2X15= 30 अंक
पांच लघु उत्तरीय प्रश्न- 5X5= 25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न- 20X1= 20 अंक
कुल 75 अंक

Programme / Class : M.A. Hindi / B. A. In Research (Hindi)	**M.A. Hindi Ist Year/ B. A. In research 4th Year**	**M. A. Hindi Ist Semester/ B. A. in research 7th Semester**
Course Code A010703T अनिवार्य प्रश्नपत्र 3	**Course Title आदिकालीन एवं निर्गुण भक्ति काव्यधारा**	**Credit-5 कुल अंक – 100 आंतरिक मूल्यांकन - 25 बाह्य मूल्यांकन – 75**

Course Objective's (CO's)

1-आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों को समझना।

2-भक्तिकालीन निर्गुण साहित्य की समझ विकसित करना।

Course Outcome's (CO's)

1-विद्यार्थी आदिकालीन साहित्य को समझकर अनुसंधान की ओर प्रवृत्त हो सकेंगे।

2-निर्गुण साहित्य का ज्ञान विद्यार्थियों को संत साहित्य की प्रासंगिकता से जोड़ सकेगा।

…9965555554

इकाई-1 : **चन्दबरदाई**-पृथ्वीराज रासो (पदमावती समय)- सं. हरिहरनाथ टंडन
चयनित पद-1, 3,5,6,9,12

इकाई-2 : **विद्यापति**-विद्यापति पदावली- सं. रामवृक्ष बेनीपुरी
चयनित पद-2,5,18,23,37,47,49

इकाई-3 : **कबीर**-कबीर ग्रन्थावली-सं. डॉ. श्यामसुंदरदास
गुरुदेव कौ अंग (चयनित साखियाँ-2,3,15,23,28,32,33)
विरह कौ अंग (चयनित साखियाँ-36,11, 22, 23, 29, 34, 39)
पद सं.-1,16, 69, 92, 175.

इकाई-4 : **जायसी**-पद्मावत-नागमती-वियोग खंड (जायसी ग्रंथावली, संपादक- आचार्य रामचंद्र शुक्ल)
पद संख्या - 1, 4, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 17

अनुशंसित पुस्तकें-

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

1. कबीर-हजारीप्रसाद द्विवेदी, 2. विद्यापति-शिवप्रसाद सिंह, 3. हिंदी प्रेमाख्यान परंपरा-परशुराम चतुर्वेदी, 4. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका-डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, 5. कबीर : एक नई दृष्टि-रघुवंश, 6. जायशी-विजयदेव नारायण शाही, 7. त्रिवेणी-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15= 30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15 अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20 अंक
कुल	75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

Programme / Class : M.A. Hindi / B. A. In Research (Hindi)	M.A. Hindi Ist Year/ B. A. In research 4th Year	M. A. Hindi Ist Semester/ B. A. in research 7th Semester
Course Code A010704T अनिवार्य प्रश्नपत्र 4	Course Title सगुण भक्ति एवं रीतिकालीन काव्यधारा	Credit-5 कुल अंक – 100 आंतरिक मूल्यांकन - 25 बाह्य मूल्यांकन – 75

इकाई-1 : **सूरदास**-भ्रमरगीत सागर- सं. रामचन्द्र शुक्ल (पद सं. -6,9,10,39, 42,45,48)

इकाई-2 : **तुलसीदास**-विनयपत्रिका के पाँच पद -79,90,101,105, 111
रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड) के प्रारम्भिक पाँच दोहों तक ।

इकाई-3: **बिहारी**-बिहारी रत्नाकर – सं. श्री जगन्नाथ रत्नाकर, सात दोहे- 12, 20, 25, 29, 31, 32, 38

इकाई-4 : **घनानंद**-घनानंद कवित्त- सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, पाँच छन्द-2, 6, 8, 10, 36.

Course Objective's (CO's)

1-आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों को समझना।

2-भक्तिकालीन निर्गुण साहित्य की समझ विकसित करना।

Course Outcome's (CO's)

1-विद्यार्थी आदिकालीन साहित्य को समझकर अनुसंधान की ओर प्रवृत्त हो सकेंगे।

2-निर्गुण साहित्य का ज्ञान विद्यार्थियों को संत साहित्य की प्रासंगिकता से जोड़ सकेगा।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. सूर की काव्यकला-डॉ. मनमोहन गौतम, 2. तुलसी काव्य मीमांसा-डॉ. उदयभानु सिंह, 3. बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, 4. घनानन्द-संपा. डॉ. बृजलाल, 5. बिहारी का नया मूल्यांकन-डॉ. बच्चन सिंह।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15= 30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15 अंक
दो लघुउत्तरीय प्रश्न-	02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20 अंक
कुल	75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

Programme / **Class : M.A. Hindi /** **B. A. In Research (Hindi)**	**M.A. Hindi Ist Year/** **B. A. In research 4th Year**	**M. A. Hindi Ist Semester/** **B. A. in research 7th Semester**
Course Code **A010705T** **Minor Elective** **अन्य संकायों के विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों के लिए**	**Course Title** **जनसंचार एवं पत्रकारिता : अवधारणा एवं स्वरूप**	**Credit-4** **कुल अंक – 100** **आंतरिक मूल्यांकन - 25** **बाह्य मूल्यांकन – 75**

इकाई-1 : हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास- हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दुपूर्व युग की पत्रकारिता, भारतेन्दुयुगीनपत्रकारिता, द्विवेदीयुगीन पत्रकारिता, छायावादयुगीन पत्रकारिता, छायावादोत्तरयुगीन पत्रकारिता, आजादी की लड़ाई में भाषाई पत्रकारिता की भूमिका।

इकाई-2 : हिंदी पत्रकारिता : विविध रूप

1. प्रिंट मीडिया में हिन्दी, इलैक्ट्रोनिक मीडिया में हिन्दी, समाचार लेखन कला और हिंदी

इकाई-3 :हिन्दी के प्रमुख समाचार पत्र एवं साहित्यिक पत्रिकाएं

इकाई-4: भारतीय प्रेस परिषद, भारत में प्रेस कानून, भारतीय संविधान में प्रदत मौलिक अधिकार, सूचना का अधिकार, वर्तमान समय में पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियां व दायित्व, पत्रकारिता का व्यवसायीकरण, मीडिया और समाज।

(MINOR में हिंदी विषय का चुनाव करने वाले **विद्यार्थियों के लिए** MINOR **प्रश्नपत्र का अध्ययन करना अनिवार्य होगा ।)**

हिंदी पत्रकारिता के उद्देश्य,

किसी भी भाषा की पत्रकारिता की तरह, बहुआयामी हैं और अक्सर समग्र रूप से पत्रकारिता के व्यापक लक्ष्यों के साथ जुड़े होते हैं। यहां हिंदी पत्रकारिता के कुछ प्रमुख उद्देश्य दिए गए हैं:

भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देना: हिंदी पत्रकारिता हिंदी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह मीडिया के विभिन्न रूपों में प्रभावी ढंग से उपयोग करके भाषा को संरक्षित और समृद्ध करने में मदद करता है, जिससे इसके विकास में योगदान मिलता है।

सामाजिक न्याय की वकालत: हिंदी पत्रकारिता अक्सर सामाजिक न्याय की वकालत करने और हिंदी भाषी समुदायों के भीतर असमानता, भेदभाव और अन्याय के मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। इसका उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, चर्चा शुरू करना और सकारात्मक बदलाव के लिए जनता की राय जुटाना है।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

कुल मिलाकर, हिंदी पत्रकारिता के उद्देश्य विविध और परस्पर जुड़े हुए हैं, जिसका लक्ष्य हिंदी भाषी दर्शकों की सूचनात्मक, शैक्षिक, सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक जरूरतों को पूरा करना है, साथ ही समाज में पत्रकारिता के व्यापक लक्ष्यों में योगदान देना है।

अनुशंसित पुस्तकें-1.पत्रकारिता के सिद्धांत-डॉ. रमेशचन्द्र त्रिपाठी, 2. भारत में हिंदी पत्रकारिता-डॉ. दीनानाथ साहनी, 3. आधुनिक पत्रकारिता की रूपरेखा-इन्द्रचन्द्र रजवार, 4. हिंदी पत्रकारिता : सिद्धांत और स्वरूप-डॉ. सविता चड्ढा।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पांच लघु उत्तरीय प्रश्न-	5X5=	25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1=	20 अंक
कुल		75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

Programme / **Class : M.A. Hindi /** **B. A. In Research (Hindi)**	**M.A. Hindi Ist Year/** **B. A. In research 4th Year**	**M. A. Hindi Ist Semester/** **B. A. in research 7th Semester**
Course Code **A010706R** अनिवार्य प्रश्न-पत्र-6	**Course Title** **शोध परियोजना**	**Credit-**4 **कुल अंक – 100**

नोट-1 इस सत्र में विद्यार्थियों को विभागीय शिक्षकों द्वारा शोध परियोजना का आवंटन किया जायेगा। शोध परियोजना का रूपरेखा निर्धारण एवं सामग्री संकलन करते हुए इसके प्रथम चरण को पूरा किया जायेगा ।

2. शोध परियोजना के प्रथम चरण की प्रगति का मूल्यांकन विभागीय शिक्षकों द्वारा किया जायेगा एवं इस आधार पर 100 अंकों में से विद्यार्थी को अंक दिये जायेंगे ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

विस्तृत पाठ्यक्रम

एम. ए. हिंदी द्वितीय सत्र/

बी. ए. इन रिसर्च हिंदी अष्टम् सत्र

Programme / Class : M.A. Hindi / B. A. In Research (Hindi)	M.A. Hindi Ist Year/ B. A. In research 4th Year	M. A. Hindi IInd Semester/ B. A. in research 8th Semester
Course Code A010801T अनिवार्य प्रश्न-पत्र-1	Course Title हिंदी साहित्य का इतिहास-2 (आधुनिक काल)	Credit-5 कुल अंक – 100 आंतरिक मूल्यांकन - 25 बाह्य मूल्यांकन – 75

इकाई-1 आधुनिक काल- हिंदी गद्य का उद्भव एवं विकास । भारतेन्दु पूर्व हिंदी गद्य, 1857 की क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल, 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध की हिंदी पत्रकारिता ।

इकाई-2 आधुनिक हिंदी काव्य का विकास- भारतेन्दुयुगीन कविता- सामान्य प्रवृत्तियाँ, भारतेन्दु युगीन प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय ।

- द्विवेदी युगीन हिंदी कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ, द्विवेदी युगीन प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय।
- छायावादी कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवियों का परिचय ।
- प्रगतिवादी कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवियों का परिचय ।
- प्रयोगवादी कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवियों का परिचय ।
- साठोत्तरी एवं समकालीन कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवियों का परिचय ।
- नवगीत : सामान्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रतिनिधि नवगीतकार ।

इकाई-3 हिंदी गद्य विधाओं का विकास-

- हिंदी उपन्यास : उद्भव एवं विकास, प्रमुख रचनाकारों का परिचय ।
- हिंदी कहानी : उद्भव एवं विकास, प्रमुख रचनाकारों का परिचय ।
- हिंदी नाटक एवं रंगमंच : उद्भव एवं विकास, प्रमुख रचनाकारों का परिचय ।
- हिंदी-निबंध : उद्भव एवं विकास, प्रमुख रचनाकारों का परिचय ।
- हिंदी आलोचना : उद्भव एवं विकास, प्रमुख रचनाकारों का परिचय ।

इकाई-4 हिंदी गद्य की अन्य विधाएँ : संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, यात्रा सहित्य, रिपोर्ताज, डायरी, पत्र ।

1. **अनुशंसित पुस्तकें-1.** हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल, 2. हिंदी साहित्य का उद्भव एवं विकास-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, 3. हिंदी साहित्य का इतिहास-संपादक नगेन्द्र, 4. हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, 5. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह, 6. हिंदी का गद्य साहित्य- डॉ. रामचन्द्र तिवारी ।

Course Objective's (CO's)

विचार और धराओं का अध्ययन: हिंदी साहित्य का इतिहास पाठक को अलग-अलग युगों में प्रचलित विचार और धराओं का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है। इसमें भक्ति काल, रीतिकाल, आधुनिक काल आदि में प्रचलित विचार और धराओं का विष्लेषण होता है।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

साहित्यिक परम्परा और प्रभाव: इस कोर्स का एक उद्देश्य हिंदी साहित्यिक परम्परा और उसके प्रभाव को समझना है। इसमे प्राचीन, मध्यकालिक, और आधुनिक काल के साहित्यिक परम्पराओं का अध्ययन होता है और उनका सामाजिक, सांस्कृतिक, और भाषिक प्रभाव विशेष होता है।

साहित्य और सामाजिक परिवर्तन: हिंदी साहित्य का इतिहास पाठक को सामाजिक परिवर्तन और साहित्य के बीच के रिश्ते को समझने का अवसर प्रदान करता है। इसमे साहित्य के माध्यम से समाज में होने वाले परिवर्तन और उसके प्रभाव का अध्ययन होता है।

Course Outcome's (CO's)

1. पाठों के साथ आलोचनात्मक जुड़ाव: छात्र साहित्यिक पाठों के साथ आलोचनात्मक ढंग से जुड़ना, विभिन्न व्याख्याओं पर विचार करना, विद्वानों के दृष्टिकोण का मूल्यांकन करना और अपने स्वयं के विश्लेषण और तर्कों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करना सीखेंगे।

2. रचनात्मक अभिव्यक्ति: विभिन्न साहित्यिक रूपों और शैलियों के संपर्क के माध्यम से, छात्रों को स्वयं रचनात्मक लेखन में संलग्न होने, अपनी साहित्यिक आवाज़ की खोज करने और विभिन्न कथा तकनीकों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

3. अंतःविषय संबंध: छात्र हिंदी साहित्य और इतिहास, दर्शन, धर्म, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र जैसे अन्य क्षेत्रों के बीच अंतःविषय संबंधों की समझ विकसित कर सकते हैं, जिससे उनका समग्र शैक्षणिक अनुभव समृद्ध होगा।

इन परिणामों का सामूहिक उद्देश्य हिंदी साहित्य के प्रति गहरी सराहना पैदा करना, आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ावा देना और छात्रों की सांस्कृतिक साक्षरता और भाषाई क्षमताओं को बढ़ाना है।

अंक विभाजन-

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पांच लघु उत्तरीय प्रश्न-	5X5=	25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुतरीय प्रश्न-	20X1=	20 अंक
कुल		75 अंक

Programme / Class : M.A. Hindi / B. A. In Research (Hindi)	**M.A. Hindi Ist Year/ B. A. In research 4th Year**	**M. A. Hindi IInd Semester/ B. A. in research 8th Semester**
Course Code A010802T अनिवार्य प्रश्न-पत्र-2	**Course Title भारतीय काव्यशास्त्र**	**Credit-5** **कुल अंक – 100** **आंतरिक मूल्यांकन - 25** **बाह्य मूल्यांकन – 75**

इकाई-1 : अलंकार सिद्धान्त- अलंकार की अवधारणा, अलंकार सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं।
रीति सिद्धान्त-रीति की अवधारणा, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ।

इकाई-2 : वक्रोक्ति सिद्धान्त- वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं।
रस सिद्धान्त-रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण।

इकाई-3 : ध्वनि सिद्धान्त- ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं।
औचित्य सिद्धान्त- औचित्य की अवधारणा, औचित्य सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएं।

इकाई-4 : हिंदी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक : हिंदी आलोचना की विकास यात्रा, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।

उद्देश्यों को प्राप्त करने से, छात्रों को हिंदी काव्य शास्त्र की व्यापक समझ हासिल होगी, हिंदी कविता के प्रति उनकी सराहना बढ़ेगी और साहित्यिक विश्लेषण और अभिव्यक्ति में कौशल विकसित होगा।

इन परिणामों का सामूहिक उद्देश्य छात्रों की हिंदी कविता की समझ और सराहना को समृद्ध करना, हिंदी साहित्य की साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ आजीवन जुड़ाव को बढ़ावा देना है।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. साहित्यलोचन-डॉ. श्याम सुंदर दास, 2. भारतीय एवं पाश्चात्यकाव्यशास्त्र-डॉ. कृष्णदेव शर्मा, 3. सिद्धांत और अध्ययन -गुलाब राय, 4. भारतीय काव्यशास्त्र-डॉ. सत्यदेव चौधरी, 5. हिंदी आलोचना के शिखरों का साक्षात्कार-रामचन्द्र तिवारी, 6. भारतीय काव्यशास्त्र-डॉ. बलदेव उपाध्याय।

अंक विभाजन-

1. आंतरिक परीक्षा- 25 अंक
2. बाह्य परीक्षा- 75 अंक

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पांच लघु उत्तरीय प्रश्न-	5X5=	25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1=	20 अंक
कुल		75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

Programme / Class : M.A. Hindi / B. A. In Research (Hindi)	M.A. Hindi Ist Year/ B. A. In research 4th Year	M. A. Hindi IInd Semester/ B. A. in research 8th Semester
Course Code A010803T अनिवार्य प्रश्न-पत्र-3	Course Title पाश्चात्य काव्यशास्त्र	Credit-5 कुल अंक – 100 आंतरिक मूल्यांकन - 25 बाह्य मूल्यांकन – 75

इकाई-1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र की विकास यात्रा ।
इकाई-2 प्लेटो के काव्य सिद्धान्त । लोंजाइनस- उदात्त की अवधारणा ।
इकई-3 मैथ्यू आर्नल्ड- आलोचना का स्वरूप एवं प्रकार्य । क्रोंचे – अभिव्यंजनावाद ।
इकाई-4 इलियट-परम्परा की अवधारणा ।
इकाई-5 सिद्धान्त एवं वाद- अभिजात्यवाद, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद एवं मार्क्सवाद ।

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के कोर्स के मुख्य उद्देश्य आपको पाश्चात्य साहित्य के विभिन्न पहलुओं को समझने और विश्लेषित करने की क्षमता प्रदान करना होता है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित मुख्य उद्देश्य शामिल होते हैं:

- साहित्यिक प्रवृत्तियों का अध्ययन: पाश्चात्य काव्यशास्त्र के माध्यम से आपको पाश्चात्य साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण करने की क्षमता प्राप्त होती है। यह आपको विभिन्न युगों, शैलियों, और प्रभावशाली साहित्यकारों के साथ पाश्चात्य साहित्य के विकास का अध्ययन करने में मदद करता है।

- काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का विश्लेषण: यह कोर्स आपको काव्यशास्त्र के मौलिक सिद्धांतों, उनके विकास के इतिहास और उनके विभिन्न प्रकारों का विश्लेषण करने में मदद करता है।

- लेखकों और काव्यों का अध्ययन: आप पाश्चात्य साहित्य के प्रमुख लेखकों, उनके योगदान, और उनकी प्रमुख कृतियों का अध्ययन करेंगे। इसके माध्यम से आपको पाश्चात्य साहित्य के अध्ययन का अधिक मूल्यांकन होगा।

- भाषावाद और काव्यीय शैलियों का अध्ययन: आपको पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अनुसार भाषावाद, रचनात्मकता, अलंकार, और वैचारिक धाराएं का अध्ययन करने में मदद मिलेगी।

- साहित्यिक अधिगम: यह कोर्स आपको पाश्चात्य साहित्य की भाषावाद, रचनात्मकता, और साहित्यिक सिद्धांतों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है।

- साहित्यिक विवेचन: आपको पाश्चात्य साहित्य के विभिन्न पहलुओं के प्रति अधिक विवेचन करने की क्षमता प्राप्त होगी, जैसे कि रचनात्मक प्रक्रिया, साहित्यिक नवाचार, और साहित्यिक प्रतिस्पर्धा।

- साहित्यिक अध्ययन कौशल: आपको साहित्य का अध्ययन करने और उसे विश्लेषण करने के लिए कौशल प्रदान किया जाता है, जिससे आप उसे विभिन्न प्रेषण और व्याख्यानों के माध्यम से साझा कर सकें।

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के कोर्स के परिणाम के रूप में निम्नलिखित उत्कृष्टताओं की संभावित सूची है:

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

- पाश्चात्य साहित्य और संस्कृति का विस्तारित ज्ञान: छात्र पाश्चात्य काव्यशास्त्र के माध्यम से पाश्चात्य साहित्य और संस्कृति के महत्वपूर्ण पहलुओं को समझते हैं।

- काव्य रचना का समझ: छात्र काव्यशास्त्र के माध्यम से काव्य रचना के मूल सिद्धांतों, तकनीकों, और उनके इतिहास को समझते हैं।

- काव्यशास्त्र में विशेषाधिकार: छात्र काव्यशास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषाधिकार प्राप्त करते हैं, जैसे कि अलंकार, छंद, और रस।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-शांतिस्वरूप गुप्त, 2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ. कृष्णदेव शर्मा, 3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास- डॉ.तारकनाथ बाली ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पांच लघु उत्तरीय प्रश्न-	5X5=	25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1=	20 अंक
कुल		75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

Programme / Class : M.A. Hindi / B. A. In Research (Hindi)	M.A. Hindi Ist Year/ B. A. In research 4th Year	M. A. Hindi IInd Semester/ B. A. in research 8th Semester
Course Code A010804T अनिवार्य प्रश्न-पत्र-4	Course Title आधुनिक काव्य-1 (छायावादपर्यन्त)	Credit-5 कुल अंक – 100 आंतरिक मूल्यांकन - 25 बाह्य मूल्यांकन – 75

1. मैथिलीशरण गुप्त- साकेत (नवम् सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद-कामायनी (आशा, श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग)
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला- राम की शक्ति पूजा, जूही की कली ।
4. सुमित्रानंदन पंत- परिवर्तन, मौन निमंत्रण, नौका विहार, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र ।
5. महादेवी वर्मा- मैं नीर भरी दु:ख की बदली, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ , मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, फिर विकल हैं प्राण मेरे ।

आधुनिक काव्य के विकास का अध्ययन: छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य के विकास और प्रमुख काव्य प्रेरणास्थलों का अध्ययन कराया जाता है।

- महत्वपूर्ण काव्य रचनाएँ की अध्ययन: छात्रों को महत्वपूर्ण आधुनिक हिंदी काव्य रचनाओं का विश्लेषण कराया जाता है ताकि उन्हें उनके विशेषता और उनकी साहित्यिक महत्वता का अधिक ज्ञान हो।

- काव्य रचना के सिद्धांतों का अध्ययन: छात्रों को काव्य रचना के मौलिक सिद्धांतों, उनके प्रयोग, और उनकी प्रमुखताओं का अध्ययन कराया जाता है।

आधुनिक काव्य-1 के कोर्स के परिणाम के रूप में निम्नलिखित मुख्य प्रशिक्षण परिणाम हो सकते हैं:

आधुनिक हिंदी काव्य का समझ: छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य के प्रमुख विचारों, प्रेरणास्थलों, और प्रमुख कविताओं का विस्तृत समझ प्राप्त होता है।

साहित्यिक विश्लेषण की क्षमता: छात्रों को कविताओं का साहित्यिक विश्लेषण करने की क्षमता प्राप्त होती है, जिसमें वे कविताओं के भाव, रचनात्मकता, और भाषावाद को समझते हैं।

भाषा और कला का मेल: छात्रों को काव्य में भाषा और कला के मेल को समझने में मदद मिलती है, जिससे वे कविताओं की सौंदर्यवादिता और भाषावाद की गहराई को समझ सकते हैं।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि-डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. छायावाद के आधार स्तंभ - डॉ. हरिचरण शर्मा, 3. छायावाद-डॉ. नामवर सिंह, 4. निराला-रामविलास शर्मा ।

अंक विभाजन-

1. आंतरिक परीक्षा- 25 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

2. बाह्य परीक्षा- 75 अंक

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न- 2X15= 30 अंक

दो व्याख्याएँ- 02X7.5=15 अंक

दो लघु उत्तरीय प्रश्न- 02X5=10 अंक

वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न- 20X1= 20 अंक

कुल 75 अंक

Programme / Class : M.A. Hindi / B. A. In Research (Hindi)	**M.A. Hindi Ist Year/ B. A. In research 4th Year**	**M. A. Hindi IInd Semester/ B. A. in research 8th Semester**
Course Code A010805 R अनिवार्य प्रश्न-पत्र-5	**Course Title शोध परियोजना**	**Credit**-4 **कुल अंक – 100**

नोट- 1. इस सत्र में विद्यार्थियों द्वारा शोध परियोजना के द्वितीय चरण पूर्ण किया जायेगा ।

2. पूर्ण की गयी शोध परियोजना का मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षक द्वारा होगा ।

एम. ए. हिंदी तृतीय सत्र (द्वितीय वर्ष) /

एम.ए. हिंदी (नवम् सत्र वर्ष 5) (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी.ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)

Programme / Class : M.A. Hindi	**M.A. Hindi 2nd Year/ M. A. Hindi 5th Year** (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)	**M. A. Hindi IIIrd/M. A. 9th Semester** (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)
Course Code A010901 अनिवार्य प्रश्न-पत्र-1	**Course Title आधुनिक काव्य-2 छायावादोत्तर काव्य (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता)**	**Credit**-5 **कुल अंक – 100 आंतरिक मूल्यांकन -25 बाह्य मूल्यांकन-75**

- **छायावादोत्तर काव्य**- राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना का काव्य, व्यक्तिवादी काव्य, हालावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता ।
- **रामधारी सिंह 'दिनकर'** – रश्मिरथी (तृतीय सर्ग)
- **नागार्जुन**- कालिदास, मनुष्य हूँ ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

- **अज्ञेय**-असाध्य वीणा, हरी घास पर क्षण भर ।
- **सर्वेश्वर दयाल सक्सैना-**कुआनो नदी ।
- **भवानी प्रसाद मिश्र**- गीत फरोश ।
- **धूमिल**-अकाल दर्शन, पटकथा ।
- **दुष्यंत कुमार**- 5 गज़लें (मत कहो आकाश में कुहरा घना है, आज सड़कों पर लिखे, भूख है तो सब्र कर, चाँदनी पर चल रही होगी, हो गयी है पीर पर्वत सी)

छायावादोत्तर काव्य (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता)" के कोर्स के मुख्य उद्देश्य छात्रों को छायावाद काव्य के विकास के उत्थान के बाद आये विभिन्न काव्यप्रवृत्तियों के प्रमुख आयामों को समझाना और उनका विश्लेषण करना होता है।

"छायावादोत्तर काव्य (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता)" के कोर्स के परिणाम के रूप में निम्नलिखित मुख्य प्रशिक्षण परिणाम हो सकते हैं:

- छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नयी कविता के सिद्धांतों का समझ: छात्रों को छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, और नयी कविता के मूल सिद्धांतों और उनके विभिन्न पहलुओं का समझना प्राप्त होता है।

- विभिन्न काव्यप्रवृत्तियों की विश्लेषण क्षमता: छात्रों को विभिन्न काव्यप्रवृत्तियों, जैसे कि छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, और नयी कविता की विशेषताओं और प्रमुख विचारों की विशेषता का विवेचन किया जाता है।

- साहित्यिक विचार के प्रदर्शन: छात्रों को साहित्यिक विचार को समझाने और प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित होती है, जिसमें वे छायावादोत्तर काव्य की महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करते हैं।

- काव्य के साहित्यिक मूल्य की समझ: छात्रों को काव्य के साहित्यिक मूल्यों, उनके प्रयोग, और उनके महत्व की समझ प्राप्त होती है।

- काव्यिक अभिव्यक्ति कौशल: छात्रों को अपने विचारों और भावनाओं को काव्यिक रूप में व्यक्त करने का कौशल विकसित होता है।

- साहित्यिक समीक्षा और अभिव्यक्ति कौशल: छात्रों को साहित्यिक समीक्षा और अभिव्यक्ति के कौशल प्राप्त होते हैं, जिससे वे काव्यप्रवृत्तियों के विभिन्न पहलुओं को समझते हैं और उन्हें विश्लेषण कर सकते हैं।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि-द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. नागार्जुन-संपा. सुरेश चन्द त्यागी, 3. हिंदी की प्रगतिशील कविता : स्वरूप एवं प्रतिमान-डॉ. मृत्युंजय उपाध्याय

अंक विभाजन-

1. आंतरिक परीक्षा- 25 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

2. बाह्य परीक्षा- 75 अंक

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15= 30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15 अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20 अंक
कुल	75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

Programme / Class : M.A. Hindi	M.A. Hindi IInd Year/ M. A. Hindi 5th Year (नई शिक्षा नीति के अनुरूप बी. ए. रिसर्च इन हिंदी करने वाले विद्यार्थियों हेतु)	M. A. Hindi IIInd Semester/ M. A. Hindi 9th Semester (नई शिक्षा के अनुरूप बी. ए. रिसर्च इन हिंदी करने वले विद्यार्थियों हेतु)
Course Code **A010902T** अनिवार्य प्रश्न-पत्र-2	**Course Title** **हिंदी नाटक एवं एकांकी**	**Credit**-5 **कुल अंक – 100** **आंतरिक मूल्यांकन -25** **बाह्य मूल्यांकन-75**

- **नाटक**-परिभाषा स्वरूप एवं तत्व । हिंदी नाटक की विकास यात्रा । प्रमुख हिंदी नाटककार एवं उनका रचनाकर्म ।

नाटक-

- धर्मवीर भारती- अंधा युग ।
- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना- बकरी ।

एकांकी - परिभाषा स्वरूप एवं तत्व । हिंदी एकांकी की विकास यात्रा ।

- डॉ. रामकुमार वर्मा-औरंगजेब की आखिरी रात ।
- जगदीशचन्द्र माथुर- भोर का तारा ।
- उदयशंकर भट्ट- नये मेहमान ।
- उपेन्द्रनाथ अश्क- सूखी डाली ।
- विष्णु प्रभाकर- सीमा-रेखा ।

हिंदी नाटक एवं एकांकी के कोर्स के मुख्य उद्देश्य छात्रों को हिंदी साहित्य में नाटक एवं एकांकी के महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाना और उनका अध्ययन करना होता है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित मुख्य उद्देश्य शामिल होते हैं:

- हिंदी नाटक एवं एकांकी का इतिहास: छात्रों को हिंदी नाटक एवं एकांकी के विकास और महत्वपूर्ण नाटककारों का अध्ययन कराया जाता है।
- नाटक एवं एकांकी की विशेषताएं: छात्रों को नाटक एवं एकांकी की विशेषताओं, रचना, और उनके लेखकों की साहित्यिक योग्यता का अध्ययन कराया जाता है।
- रचनात्मक और अभिनय संदर्भ: छात्रों को रचनात्मकता और अभिनय के महत्वपूर्ण सिद्धांतों का अध्ययन कराया जाता है, जिससे वे नाटक लेखन और अभिनय में सक्षम हो सकें।
- विविध नाटक और एकांकी का अध्ययन: छात्रों को विभिन्न प्रकार के नाटक और एकांकी के अध्ययन कराया जाता है, जिससे उन्हें विभिन्न शैलियों और विषयों का अध्ययन करने का अवसर मिलता है।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

- साहित्यिक समीक्षा कौशल: छात्रों को नाटक और एकांकी के साहित्यिक मूल्य को समीक्षा करने और विश्लेषण करने के कौशल प्राप्त होते हैं।
- संवादात्मक शिक्षण: छात्रों को संवादात्मकता के माध्यम से ग्रहणात्मक शिक्षण प्रदान किया जाता है, जो उन्हें नाटक और एकांकी के लेखन में मदद करता है।
- नाटक लेखन कौशल: छात्रों को नाटक लेखन के मूल सिद्धांतों का समझाया जाता है और उन्हें नाटकों के रचनात्मक प्रक्रिया में सक्षम किया जाता है।
- क्रियात्मक अभिनय और निर्देशन: छात्रों को क्रियात्मक अभिनय और नाटक के निर्देशन के मूल सिद्धांतों का अध्ययन कराया जाता है, जिससे उन्हें नाटक में अभिनय करने के लिए तैयारी मिलती है।

हिंदी नाटक एवं एकांकी के कोर्स के परिणाम के रूप में निम्नलिखित मुख्य प्रशिक्षण परिणाम हो सकते हैं:

नाटक एवं एकांकी की समझ: छात्रों को हिंदी नाटक एवं एकांकी की विभिन्न प्रकारों और प्रमुख विशेषताओं का समझ प्राप्त होता है।

काव्यप्रवृत्ति के समझ: छात्रों को नाटक और एकांकी के माध्यम से काव्यप्रवृत्ति के महत्वपूर्ण सिद्धांतों का समझ होता है।

अभिनय कौशल का विकास: छात्रों को नाटक में अभिनय करने और एकांकी के कार्यकलापों में सक्रिय भाग लेने का अवसर मिलता है, जिससे उनके अभिनय कौशल में सुधार होता है।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी नाटक उद्भव एवं विकास-दशरथ ओझा, 2. हिंदी नाटक उद्भव और विकास हेतु भारद्वाज ।

अंक विभाजन-

1. आंतरिक परीक्षा- 25 अंक
2. बाह्य परीक्षा- 75 अंक

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15= 30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15 अंक
दो लघुउत्तरीय प्रश्न-	02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20 अंक
कुल	75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

Programme / **Class : M.A. Hindi**	**M.A. Hindi IInd Year/** **M. A. Hindi 5th Year** (नई शिक्षा नीति के अनुरूप बी. ए. रिसर्च इन हिंदी करने वाले विद्यार्थियों हेतु)	**M. A. Hindi IIInd Semester/** **M. A. Hindi 9th Semester** (नई शिक्षा नीति के अनुरूप बी. ए. रिसर्च इन हिंदी करने वाले विद्यार्थियों हेतु)
Course Code **A010903T** अनिवार्य प्रश्न-पत्र-3 वैकल्पिक प्रश्न पत्र	**Course Title** **रचनाकार का विशेष अध्ययन**	**Credit-5** **कुल अंक – 100** **आंतरिक मूल्यांकन -25** **बाह्य मूल्यांकन-75**

नोट-यह अनिवार्य प्रश्न-पत्र वैकल्पिक है अर्थात् इसमें विकल्प दिये जायेंगे जिनमें से किसी एक विकल्प का चयन विद्यार्थी को अध्ययन हेतु करना होगा ।

विकल्प-1

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : कबीर

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (i)

कबीर ग्रंथावली -संपादक श्यामसुन्दरदास (1 से 20 अंग साखी) तथा आरम्भिक 30 पद अध्ययन बिन्दु- कबीरदास और उनका युग, कबीर की रचनाएँ, कबीरदास का समाज दर्शन, कबीरदास के दार्शनिक विचार, कबीर का रहस्यवाद, कबीर की प्रासंगिकता, कबीरदास की काव्यगत विशेषताएँ, उलटवासी, कबीरदास के प्रतीक, कबीर के राम ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ, कबीर ग्रंथावली के पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी ।

3. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

"रचनाकार का विशेष अध्ययन" का पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण होता है। इसका प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हो सकता है:

- रचनात्मकता की समझ: इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को रचनात्मकता की समझ प्रदान करना होता है। वे विभिन्न प्रकार की रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से रचनात्मक प्रक्रिया को समझते हैं।

- लेखकों और उनके कार्यों का अध्ययन: इस पाठ्यक्रम में छात्रों को प्रमुख लेखकों और उनके कार्यों का अध्ययन कराया जाता है। इससे वे लेखकों के दृष्टिकोण, शैली, और रचनात्मक प्रक्रिया को समझते हैं।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

- साहित्यिक संदर्भ में विचारशीलता: यह पाठ्यक्रम छात्रों को साहित्यिक संदर्भ में विचारशीलता विकसित करने का माध्यम होता है। वे विभिन्न साहित्यिक योजनाओं, साहित्यिक समूहों, और युगों के साहित्यिक परिप्रेक्ष्य को समझते हैं।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी, 2. कबीर के आलोचक-डॉ. धर्मवीर, 3. कबीर की विचारधारा- गोविन्द त्रिगुणायत, 4. आधुनिक कबीर-राजदेव सिंह ।

अंक विभाजन-

1. आंतरिक परीक्षा- 25 अंक
2. बाह्य परीक्षा- 75 अंक

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15= 30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15 अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20 अंक
कुल	75 अंक

विकल्प-2

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : जायसी

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (ii)

जायसी ग्रंथावली -संपादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

पाठ्यग्रंथ -पद्मावत (प्रारंभिक 20 खण्ड)

अध्ययन बिंदु-हिंदी सूफी काव्य परंपरा और जायसी, जायसी का जीवन वृत्त और कृतित्व, सूफी शब्द की व्युत्पत्तिपरक अवधारणा, मसनवी पद्धति, जायसी का रहस्यवाद, जायसी की दार्शनिक मान्यताएँ, जायसी की काव्यकला, जायसी का विरह वर्णन, जायसी का प्रेम-निरूपण, जायसी का प्रकृति चित्रण, पदमावत का काव्य रूप, पदमावती की भाषा, पदमावत् में भारतीय एवं मसनवी प्रेम पद्धति, पदमावती और नागमती का चरित्र चित्रण, बारह मासा का वैशिष्ट्य, नखशिख वर्णन ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ, जायसी ग्रंथावली के पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. जायसी- विजयदेव नारायण साही, 3. त्रिवेणी-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15= 30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15 अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20 अंक
कुल	75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

विकल्प-3

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : सूरदास

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (iii)

पाठ्यग्रंथ -भ्रमरगीतसार संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (प्रारंभ के 50 पद)

अध्ययन बिंदु-सूरदास और उनका युग, सूर की भक्ति भावना, सूर का दार्शनिक चिंतन, सूर का प्रकृति चित्रण, सूर का वात्सल्य सूर का श्रृंगार वर्णन, सूर काव्य में वर्णित बृज संस्कृति, भ्रमर गीत परंपरा में सूर का भ्रमर गीत, सहृदयता और वाग्विदग्धता, सूरसागर पर भागवत का प्रभाव, सूर के दृष्टिकूटपद, सूरसाहित्य में गीतात्मकता ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ, भ्रमरगीतसार के पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. सूरदास-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, 3. त्रिवेणी-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, 4. सूरसाहित्य-हजारी प्रसाद द्विवेदी, 5. भक्ति आंदोलन और सूरकाव्य-मैनेजर पाण्डेय ।

अंक विभाजन-

1. आंतरिक परीक्षा- 25 अंक
2. बाह्य परीक्षा- 75 अंक

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15= 30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15 अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20 अंक
कुल	75 अंक

विकल्प-4

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : तुलसीदास

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (iv)

पाठ्यग्रंथ -रामचरितमानस, कवितावली, विनयपत्रिका

(व्याख्याएँ रामचरितमानस के अयोध्याकाण्ड, सुन्दरकाण्ड, कवितावली के उत्तरकाण्ड एवं विनय पत्रिका के प्रथम 20 पदों से पूछी जायेंगी)

अध्ययन बिंदु-तुलसीदास और उनका युग, तुलसी की प्रमाणिक कृतियाँ, तुलसी की भक्ति भावना, विनयपत्रिका में विनय भावना, गीतावली में गीतितत्व, वात्सल्य वर्णन, तलुसी के काव्य में रामराज्य की अवधारणा, तुलसी के काव्य में लोकमंगल, तुलसी की नारी विषयक अवधारणा, तुलसी का समन्वयवाद, तुलसी का दर्शनिक चिंतन, तुलसी की काव्यगत विशेषताएँ ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. तुलसी काव्य मीमांसा-प्रो. उदयभानु सिंह, 3. तुलसी दर्शन मीमांसा-प्रो. उदयभानु सिंह, 4. लोकवादी तुलसी-विश्वनाथ त्रिपाठी, 5. तुलसीदास और उनका काव्य-रामनरेश त्रिपाठी ।

अंक विभाजन-

1. आंतरिक परीक्षा- 25 अंक
2. बाह्य परीक्षा- 75 अंक

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15= 30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15 अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20 अंक
कुल	75 अंक

विकल्प-5

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : बिहारी

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (v)

पाठ्यग्रंथ -बिहारी रत्नाकर-संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर

(व्याख्याएँ बिहारी रत्नाकर के प्रथम 100 दोहों से पूछी जायेंगी)

अध्ययन बिंदु-बिहारी और उनका युग, बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ, बिहारी की श्रृंगार भावना, बिहारी की भक्ति भावना, बिहारी की नीति, बिहारी की भाषा, बिहारी के काव्य में सूक्तिमयता, रीतिकालीन काव्य में बिहारी का महत्त्व

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-1. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. रीति काव्य की भूमिका- डॉ. नगेन्द्र

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15= 30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15 अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

कुल 75 अंक

विकल्प-6

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : घनानंद

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (vi)

पाठ्यग्रंथ -घनानंद कवित्त

(व्याख्याएँ घनानंद कवित्त के प्रथम 50 पदों से पूछी जायेंगी)

अध्ययन बिंदु-घनानंद और उनका युग, घनानंद की काव्यगत विशेषताएँ, घनानंद की श्रृंगार भावना, घनानंद की भक्ति भावना, घनानंद की नायिका, घनानंद की भाषा, घनानंद की विरह भावना, रीतिकालीन काव्य में घनानंद का स्थान ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. रीति काव्य की भूमिका- डॉ. नगेन्द्र

अंक विभाजन-

3. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
4. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15= 30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15 अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20 अंक

कुल 75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

विकल्प-7

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : मैथिलीशरण गुप्त

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (vii)

पाठ्यग्रंथ -भारत भारती, यशोधरा, पंचवटी

(व्याख्याएँ साकेत के नवम सर्ग भारत भारती के वर्तमान खण्ड एवं यशोधरा से पूछी जाएंगी)

अध्ययन बिंदु-द्विवेदी युग और मैथिलीशरण गुप्त, मैथिलीशरण गुप्त का जीवन, साहित्यिक यात्रा, काव्य वैशिष्ट्य, राष्ट्रीय भावना, नारी विषयक भावना, नवीन प्रयोग, वैष्णव भावना, साकेत का नामकरण, उद्देश्य, महाकाव्यत्व, साकेत नवम सर्ग का काव्य वैशिष्ट्य, भारत भारती का प्रतिपाद्य एवं काव्य वैशिष्ट्य, यशोधरा का प्रतिपाद्य एवं काव्य वैशिष्ट्य, चरित्र चित्रण तथा शिल्पगत प्रयोग ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. साकेत : एक अध्ययन-डॉ. नगेन्द्र, 3. गुप्त जी की काव्यधारा-गिरिजा दत्त शुक्ल

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

विकल्प-8

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : जयशंकर प्रसाद

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (viii)

पाठ्यग्रंथ -कामायनी (काव्य), कंकाल (उपन्यास), स्कन्दगुप्त, चन्द्रगुप्त (नाटक)

(व्याख्याएँ कामायनी के प्रथम 8 सर्गों एवं स्कन्द गुप्त नाटक से पूछी जाएंगी)

अध्ययन बिंदु-छायावाद और प्रसाद, प्रसाद का जीवन वृत्त और कृतित्व, कामायनी की ऐतिहासिकता, कामायनी का दर्शन, रूपक तत्व, कामायनी का रहस्यवाद, आधुनिक संदर्भ में कामायनी का वस्तु विधान एवं काव्यरूप, स्कन्द गुप्त, नाटक की समीक्षा, स्कन्द गुप्त के पात्रों का चरित्र चित्रण, जयशंकर प्रसाद की नाट्यकला, स्कंद गुप्त नाटक का उद्देश्य,

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

स्कंदगुप्त नाटक की मंचीयता, कंकाल उपन्यास का वैशिष्ट्य, कंकाल में प्रतिबिंबित समाज, चंद्रगुप्त नाटक का वैशिष्ट्य, पात्र योजना, कथानक ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ-डॉ. नगेन्द्र, 3. प्रसाद का काव्य-डॉ. प्रेमशंकर, 4. प्रसाद के नाटक एवं नाट्य शिल्प-शांतिस्वरूप गुप्त।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

विकल्प-9

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : सुमित्रानंदन पंत

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (ix)

पाठ्यग्रंथ -पल्लव (व्याख्याएँ पल्लव से पूछी जाएंगी)

अध्ययन बिंदु-छायावाद और पंत, पंत का जीवन वृत्त और कृतित्व, चिदंबरा का परिचय, पंत की काव्यगत विशेषताएँ, पंत के काव्य में प्रकृति, पंत के काव्य में कल्पना तत्व, पंत के काव्य प्रगतिवादी तत्व । पंत की काव्यभाषा, हिंदी साहित्य में पंत का स्थान ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. छायावाद-नामवर सिंह ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न- 20X1= 20 अंक

कुल 75 अंक

विकल्प-10

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : निराला

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (x)

पाठ्यग्रंथ - राग विराग काव्य संकलन उपन्यास (निरूपमा)

(व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्य ग्रंथों से पूछी जाऐंगीं)

अध्ययन बिंदु-छायावाद और निराला, निराला का जीवन वृत्त और कृतित्व, निराला की काव्यगत विशेषताएँ, निराला का मुक्त छंद, निराला की लम्बी कविताएँ, निराला के काव्य में परगतिवादी तत्व । उपन्यासकार निराला के काव्य में राष्ट्रीय चेतना, निराला के काव्य में गीतितत्व, निरूपमा उपन्यास का कथानक, चरित्र चित्रण, भाषा शैलीगत वैशिष्ट्य ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशो से पूछी जायेंगी ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. छायावाद-नामवर सिंह, 3. निराला की साहित्य साधना-डॉ. रामविलास शर्मा, 4. क्रान्तिकारी कवि निराला-डॉ. बच्चन सिंह, 5. निराला : आत्महंता आस्था-दूधनाथ सिंह ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न- 2X15= 30 अंक

दो व्याख्याएँ- 02X7.5=15 अंक

दो लघु उत्तरीय प्रश्न- 02X5=10 अंक

वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न- 20X1= 20 अंक

कुल 75 अंक

विकल्प-11

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : महादेवी वर्मा

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (xi)

पाठ्यग्रंथ - काव्य-संधिनी काव्य संकलन

गद्य- श्रृंखला की कड़ियाँ, पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ, मेरा परिवार

(व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्य ग्रंथों से पूछी जायेंगीं)

अध्ययन बिंदु-छायावाद और महादेवी वर्मा, महादेवी वर्मा का व्यक्तित्व और कृतित्व, महादेवी वर्मा के काव्य में विरह भावना, रहस्य भावना, काव्यगत विशेषताएँ, दर्शन, भक्ति, महावेदी

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

वर्मा के रेखाचित्रों का वैशिष्ट्य, महादेवी वर्मा का स्त्रीवादी चिंतन, हिंदी साहित्य में महादेवी वर्मा का स्थान ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. छायावाद-नामवर सिंह, 3. महादेवी वर्मा काव्यकला और दर्शन-डॉ. रश्मि दीक्षित, 4. महादेवी वर्मा गद्य साहित्य-गंगा प्रसाद विमल ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

विकल्प-12

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : दिनकर

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (xii)

पाठ्यग्रंथ - काव्य-उर्वशी, कुरुक्षेत्र
गद्य-संस्कृति के चार अध्याय
(व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्य ग्रंथों से पूछी जायेंगीं)

अध्ययन बिंदु-दिनकर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, दिनकर की काव्यगत विशेषताएँ, दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय भावना, दिनकर के काव्य में आधुनिकता, दिनकर के काव्य में परंपरा, उर्वशी का काव्यगत वैशिष्ट्य, उर्वशी में कामाध्यात्म, उर्वशी में प्रेम की अवधारणा, उर्वशी एवं पुरुरवा का चरित्र चित्रण, कुरुक्षेत्र का काव्यगत वैशिष्ट्य, कुरुक्षेत्र का उद्देश्य, दिनकर के साहित्य में सामाजिक चेतना, दिनकर के साहित्य में सांस्कृतिक बोध, हिंदी साहित्य में दिनकर का स्थान ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. छायावाद-नामवर सिंह, 3. दिनकर के काव्य में सामाजिक चेतना-डॉ. अजीत सिंह, 4. दिनकर के काव्य में परंपरा और आधुनिकता- प्रो. जयसिंह नीरद ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

विकल्प-13

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : नागार्जुन

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (xiii)

पाठ्यग्रंथ - काव्य-नागार्जुन की प्रतिनिधि कवितायें (काव्य संकलन)
गद्य-बाबा बटेसरनाथ, वरुण के बेटे (उपन्यास)
(व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्य ग्रंथों से पूछी जायेंगीं)

अध्ययन बिंदु-नागार्जुन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, नागार्जुन की काव्यगत विशेषताएँ, नागार्जुन के काव्य में राष्ट्रीय भावना, नागार्जुन के काव्य में आधुनिकता, नागार्जुन के काव्य में परंपरा, नागार्जुन के काव्य में प्रगतिवादी तत्व, नागार्जुन के काव्य में क्रांतिधर्मिता, गद्यकार नागार्जुन, बबा बटेसरनाथ उपन्यास का वैशिष्ट्य, चरित्र-चित्रण, उद्देश्य, वरुण के बेटे उपन्यास का कथ्य-शिल्प, चरित्र-चित्रण ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. नागार्जुन कवि और कथाकार-डॉ. सत्यनारायण, 3. नागार्जुन जीवन और साहित्य-डॉ. प्रकाश चन्द्र भट्ट, 4. नागार्जुन गद्य साहित्य-डॉ. अनिल पारिक ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

विकल्प-14

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : अज्ञेय

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (xiv)

पाठ्यग्रंथ - काव्य-कितनी नावों में कितनी बार, भग्नदूत ।
गद्य-शेखर एक जीवनी भाग-1 एवं 2 (उपन्यास)
अरे यायावर रहेगा याद (यात्रा वृत्तांत)
(व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्य ग्रंथों से पूछी जायेंगी)

अध्ययन बिंदु-अज्ञेय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, अज्ञेय की काव्यगत विशेषताएँ, अज्ञेय के काव्य में प्रयोगवादी तत्व, अज्ञेय के काव्य में आधुनिकता, अज्ञेय के काव्य में परंपरा, शेखर एक जीवनी उपन्यास का कथ्य एवं शिल्प, चरित्र-चित्रण, भाषागत वैशिष्ट्य, हिंदी उपन्यासों में शेखर एक जीवनी का महत्व, शेखर एक जीवनी उपन्यास में मनोवैज्ञानिकता, अरे यायावर रहेगा याद यात्रा वृत्तांत का वैशिष्ट्य, हिंदी साहित्य में अज्ञेय का महत्व ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगी ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि -द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2.उपन्यासकार अज्ञेय-डॉ. धनविद्या पटेल ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

विकल्प-15

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (xv)

पाठ्यग्रंथ - चिंतामणि भाग-1, त्रिवेणी ।

(व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्य ग्रंथों से पूछी जायेंगीं)

अध्ययन बिंदु-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, निबंधकार आचार्य शुक्ल, आलोचक आचार्य शुक्ल, इतिहासकार आचार्य शुक्ल, हिंदी आलोचना के विकास में आचार्य शुक्ल का योगदान, चिंता मणि में संकलित निबंधों का वैशिष्ट्य, आचार्य शुक्ल की भाषा शैली, शुक्ल जी व्यवहारिक आलोचना,

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगीं ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना-डॉ. रामविलास शर्मा, 2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : सिद्धांत और साहित्य-डॉ. जयचन्द्र राय, 3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और चिंतामणि-डॉ. कृष्णदेव शर्मा,

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

विकल्प-16

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : प्रेमचन्द

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (xvi)

पाठ्यग्रंथ - कर्मभूमि, सेवासदन, निर्मला (उपन्यास)

मानसरोवर प्रथम खण्ड (कहानी)

कर्बला (नाटक)

(व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्य ग्रंथों से पूछी जाएंगी)

अध्ययन बिंदु-सम्बन्धित शिक्षक द्वारा उसी सत्र में अध्ययन के समय बिन्दु निर्धारित किये जायेंगे ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगीं ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. प्रेमचन्द-रामविलास शर्मा, 2. प्रेमचंद की उपन्यासकला-जनार्दनप्रसाद राय

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

विकल्प-17

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : हजारी प्रसाद द्विवेदी

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (xvii)

पाठ्यग्रंथ - बाणभट्ट की आत्मकथा, अनामदास का पोथा (उपन्यास)
हिंदी साहित्य का उद्भव एवं विकास (इतिहास ग्रंथ)
विचार और वितर्क (निबंध संग्रह)
(व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्य ग्रंथों से पूछी जायेंगीं)

अध्ययन बिंदु-सम्बन्धित शिक्षक द्वारा उसी सत्र में अध्ययन के समय बिन्दु निर्धारित किये जायेंगे ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगीं ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. हिंदी का गद्य साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी, 2. हिंदी आलोचना-डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, 3. हिंदी प्रतिनिधि निबंधकार-प्रो. हरिमोहन ।

अंक विभाजन-

3. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
4. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

दो लघु उत्तरीय प्रश्न- 02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न- 20X1= 20 अंक
कुल 75 अंक

विकल्प-18

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन :उषा प्रियंवदा

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (xviii)

पाठ्यग्रंथ - शेष यात्रा, अन्तर्वशी, अल्पविराम (उपन्यास)
उषा प्रियंवदा की प्रतिनिधि कहानियाँ (कहानी)
(व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्य ग्रंथों से पूछी जायेंगीं)

अध्ययन बिंदु-सम्बन्धित शिक्षक द्वारा उसी सत्र में अध्ययन के समय बिन्दु निर्धारित किये जायेंगे ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगीं ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. उषा प्रियंवदा की उपन्यास सृष्टि-डॉ. शहनाज अकुली, 2. महिला उपन्यासकारों की रचनाओं में वैचारिकता- डॉ. शशि जैकब ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न- 2X15= 30 अंक
दो व्याख्याएँ- 02X7.5=15 अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न- 02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न- 20X1= 20 अंक
कुल 75 अंक

विकल्प-19

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन :मन्नू भंडारी

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (xix)

पाठ्यग्रंथ - महाभोज, आपका बंटी(उपन्यास)
मेरी प्रिय कहानियाँ (कहानी)
(व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्य ग्रंथों से पूछी जायेंगीं)

अध्ययन बिंदु-सम्बन्धित शिक्षक द्वारा उसी सत्र में अध्ययन के समय बिन्दु निर्धारित किये जायेंगे ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगीं ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. मन्नू भंडारी का कथा साहित्य-संवेदना और शिल्प-श्रीमती सुषमा पाल 2.महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में मानवीय संवेदना-डॉ. उषा यादव

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

विकल्प-20

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : चित्रा मुद्गल

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (xx)

पाठ्यग्रंथ - आवां, पोस्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा (उपन्यास)
प्रतिनिधि कहानियाँ (कहानी)
(व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्य ग्रंथों से पूछी जायेंगीं)

अध्ययन बिंदु-सम्बन्धित शिक्षक द्वारा उसी सत्र में अध्ययन के समय बिन्दु निर्धारित किये जायेंगे ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगीं ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. साहित्य एवं समाज में किन्नर जीवन-गंगाधर मिराजी ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

दो लघु उत्तरीय प्रश्न- 02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न- 20X1= 20 अंक
कुल 75 अंक

विकल्प-21

पाठ्यक्रम का नाम : रचनाकार विशेष का अध्ययन : तेजेन्द्र शर्मा

पाठ्यक्रम कोड : A010903T (xxi)

पाठ्यग्रंथ - सीधी रेखा की सीधी परतें (भाग-1) कहानी संग्रह
(व्याख्याएँ निर्धारित पाठ्य ग्रंथ से पूछी जायेंगीं)

अध्ययन बिंदु-सम्बन्धित शिक्षक द्वारा उसी सत्र में अध्ययन के समय बिन्दु निर्धारित किये जायेंगे ।

नोट-1.इस प्रश्नपत्र में व्याख्याएँ पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों से पूछी जायेंगीं ।

2. इस प्रश्न पत्र में आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्ययन बिन्दुओं से सम्बन्धित होंगे ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1. कथाधर्मी तेजेन्द्र-सं. प्रो. प्रदीप श्रीधर, 2. वक्त के आइने में तेजेन्द्र शर्मा-संपा. बृजनारायण शर्मा ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न- 2X15= 30 अंक
दो व्याख्याएँ- 02X7.5=15 अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न- 02X5=10 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न- 20X1= 20 अंक
कुल 75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

Programme / Class : M.A. Hindi	M.A. Hindi IInd Year/ M. A. Hindi, 5th Year (नई शिक्षा नीति के अनुरूप बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)	M. A. Hindi IIInd Semester/ M. A. Hindi 9th Semester (नई शिक्षा नीति के अनुरूप बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)
Course Code **A010904T** अनिवार्य प्रश्न-पत्र-4 वैकल्पिक प्रश्न पत्र	**Course Title** **समकालीन विमर्श-1**	**Credit**-5 **कुल अंक – 100** **आंतरिक मूल्यांकन -25** **बाह्य मूल्यांकन-75**

यह अनिवार्य प्रश्न-पत्र वैकल्पिक है अर्थात् इसमें विकल्प दिये जायेंगे जिनमें मे से किसी एक विकल्प का चयन विद्यार्थी को अध्ययन हेतु करना होगा ।

विकल्प-1

पाठ्यक्रम का नाम : स्त्री विमर्श

पाठ्यक्रम कोड : A010904T (i)

- स्त्री विमर्श : आशय और स्वरूप ।
- प्रमुख स्त्री रचनाकार
- मीरा, महादेवी वर्मा, कृष्णा सोबती, मन्नू भण्डारी, उषा प्रियंवदा, मैत्रेयी पुष्पा, नासिरा शर्मा, प्रभा खेतान, चित्रा मुद्गल, मृदुला गर्ग ।

अनुशंसित पुस्तकें-

1 भारतीय स्त्री विमर्श-नीरजा माधव, 2. स्त्री उपेक्षिता (सीमोन द वोउआर के ग्रंथ सेकेण्ड सेक्स का हिंदी अनुवाद)-अनावदक प्रभा खेतान

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पांच लघु उत्तरीय प्रश्न-	5X5=	25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1=	20 अंक
कुल		75 अंक

विकल्प-2

पाठ्यक्रम का नाम : आदिवासी विमर्श

पाठ्यक्रम कोड : A010904T (ii)

आदिवासी विमर्श : आशय एवं स्वरूप

प्रमुख आदिवासी रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ-

वंदना टेटे, अनुज लुगुन, रोज केरकेट्टा, गंगा सहाय मीणा, सुशीला सामद, निर्मला पुतुल, सरिता बड़ाइक, एलिस एक्का, वाल्टर मैंगरा तरुण, हरिराम मीणा आदि ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

अनुशंसित पुस्तकें-1. आदिवासी समाज एवं धर्म-विनय कुमार शर्मा, 2. समकालीन हिंदी उपन्यासों में आदिवासी विमर्श-डॉ. शिवाजी देवरे, डॉ. मधु खराटे, 3. आदिवासी चिंतन की भूमिका-गंगा सहाय मीणा ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पांच लघु उत्तरीय प्रश्न-	5X5=	25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1=	20 अंक
कुल		75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र (द्वितीय वर्ष) /

एम.ए. हिंदी (दशम् सत्र वर्ष 5) (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी.ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)

Programme / **Class : M.A. Hindi /** **(Hindi)**	**M.A. Hindi 2nd Year/** **M. A. Hindi 5th Year** (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)	**M. A. Hindi IVth Semester/** **M. A. Hindi 10th Semester** (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)
Course Code **A0101001T** अनिवार्य प्रश्न-पत्र-**1**	**Course Title** **आधुनिक काव्य-3** **(समकालीन हिंदी कविता)**	**Credit-**5 **कुल अंक – 100** **आंतरिक मूल्यांकन -25** **बाह्य मूल्यांकन-75**

- समकालीन हिंदी कविता -समकालीन हिंदी कविता की परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख समकालीन कवि।
- मंगलेश डबराल– रोटी और कविता, कुछ देर के लिए।
- राजेश जोशी – इत्यादि, संयुक्त परिवार।
- लीलाधर जगूड़ी - सरल नदी, भाषा में लोग ।
- चन्द्रकान्त देवताले-पुनर्जन्म, माँ जब खाना परोसती है ।
- अरुण कमल- धार, शायर की कब्र, हार की जीत ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

अनुशंसित पुस्तकें-

1. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ-राजकली सर्राफ, 2. समकालीन कविता और लीलाधर जगूड़ी-शर्मिला सक्सैना, 3.हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि-द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 4. त्रिलोचन की काव्य दृष्टि-डॉ. लता शिरोडकर, 5. समकालीन कविता के परिप्रेक्ष्य में चन्द्रकान्त देवताले की कविताएँ-डॉ. आशा सिंह सिकरवार ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र (द्वितीय वर्ष) /
एम.ए. हिंदी (दशम् सत्र वर्ष 5) (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी.ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)

Programme / **Class : M.A. Hindi /** **(Hindi)**	**M.A. Hindi 2nd Year/** **M. A. Hindi 5th Year** (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)	**M. A. Hindi IVth Semester/** **M. A. Hindi 10th Semester** (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)
Course Code **A0101002T** अनिवार्य प्रश्न-पत्र-2	**Course Title** **हिंदी कथा साहित्य** **(हिंदी उपन्यास एवं कहानी)**	**Credit-**5 **कुल अंक – 100** **आंतरिक मूल्यांकन -25** **बाह्य मूल्यांकन-75**

- उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व । हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा । प्रमुख हिंदी उपन्यासकार एवं उनका रचना कर्म ।
  1. गोदान-मुंशी प्रेमचंद, 2. तमस-भीष्म साहनी अथवा राग दरबारी -श्रीलाल शुक्ल ।
- कहानी : परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व । हिंदी कहानी की विकास यात्रा । प्रमुख हिंदी कहानीकार एवं उनका रचनाकर्म ।

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी- उसने कहा था, **प्रेमचंद-** दुनिया का अनमोल रतन, **जयशंकर प्रसाद-** आकाशदीप,**जैनेन्द्र** – अपना-अपना भाग्य, **निर्मल वर्मा**- परिंदे, **भीष्म साहनी**- चीफ की दावत, **कमलेश्वर**- राजा निरबंसिया, कृश्न चंदर-जामुन का पेड़, **कृष्णा सोबती**- सिक्का बदल गया, **ओमप्रकाश वाल्मीकि**-घुसपैठिये, **मैत्रेयी पुष्पा**-ललमनिया, **चित्रा मुद्गल-**भूख, **तेजेन्द्र शर्मा-** बेतरतीब जिंदगी ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

अनुशंसित पुस्तकें-1. हिंदी उपन्यास का इतिहास-डॉ. गोपाल राय, 2. प्रेमचंद और उनका युग-डॉ. रामविलास शर्मा, 3. भीष्म साहनी के साहित्य का अनुशीलन-डॉ. सुरेश बाबर, 4. हिंदी कहानी का इतिहास-गोपाल राय, 5. हिंदी का गद्य साहित्य -रामचन्द्र तिवारी, 6. कथाधर्मी तेजेन्द्र-प्रो. प्रदीप श्रीधर ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र (द्वितीय वर्ष) /
एम.ए. हिंदी (दशम् सत्र वर्ष 5) (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी.ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)

Programme / **Class : M.A. Hindi /** **(Hindi)**	**M.A. Hindi 2nd Year/** **M. A. Hindi 5th Year** (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)	**M. A. Hindi IVth Semester/** **M. A. Hindi 10th Semester** (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)
Course Code **A0101003T** अनिवार्य प्रश्न-पत्र-3	**Course Title** **हिंदी निबंध एवं गद्य की अन्य विधाएँ**	**Credit-5** **कुल अंक – 100** **आंतरिक मूल्यांकन -25** **बाह्य मूल्यांकन-75**

- हिंदी निबन्ध : आशय, स्वरूप एवं हिंदी निबन्ध की विकास यात्रा, हिंदी के प्रमुख निबंधकार एवं उनका रचनाकर्म ।

प्रताप नारायण मिश्र- शिवमूर्ति । बालकृष्ण भट्ट-शिवशम्भु के चिट्ठे । अध्यापक पूर्ण सिंह- मजदूरी और प्रेम। रामचन्द्र शुक्ल – कविता क्या है ? हजारी प्रसाद द्विवेदी- नाखून क्यों बढ़ते हैं ? हरीशंकर परसाई- सदाचार का ताबीज । शरद जोशी-एक भूतपूर्व मंत्री से मुलाकात ।

- आत्मकथा एवं जीवनी : आशय एवं स्वरूप, हिंदी आत्मकथा की विकास यात्रा, हिंदी जीवनी की विकास यात्रा ।

  आत्मकथा : अपनी खबर-पाण्डेयबेचन शर्मा उग्र

  जीवनी : आवारा मसीहा-विष्णु प्रभाकर

- संस्मकरण एवं रेखाचित्र : आशय एवं स्वरूप, हिंदी संस्मरण एवं रेखाचित्र का विकास यात्रा

  संस्मरण : पथ के साथी-महादेवी वर्मा

  रेखाचित्र : माटी की मूरतें-रामवृक्ष बेनीपुरी

- व्यंग्य एवं यात्रा वृत्तांत :आशय एवं स्वरूप : हिंदी व्यंग्य की विकास यात्रा, हिंदी यात्रा वृत्तांत की विकास यात्रा

  व्यंग्य : विकलांग श्रद्धा का दौर, इन्स्पैक्टर मातादीन चाँद पर -हरीशंकर परसाई

  यात्रा वृतांत : अरे यायावर रहेगा याद-अज्ञेय अथवा चीड़ों पर चाँदनी-निर्मल वर्मा

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

अनुशंसित पुस्तकें-1.हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार-डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सैना, 2. हिंदी का गद्य साहित्य -डॉ. रामचन्द्र तिवारी ।

एम. ए. हिंदी चतुर्थ सत्र (द्वितीय वर्ष) / एम.ए. हिंदी (दशम् सत्र वर्ष 5) (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी.ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)

Programme / **Class : M.A. Hindi /** **(Hindi)**	**M.A. Hindi 2nd Year/** **M. A. Hindi 5th Year** (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)	**M. A. Hindi IVth Semester/** **M. A. Hindi 10th Semester** (नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु)
Course Code **A0101004T** अनिवार्य प्रश्न-पत्र-4 (वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)		**Credit-**5 **कुल अंक – 100** **आंतरिक मूल्यांकन -25** **बाह्य मूल्यांकन-75**

नोट-विद्यार्थी को इस प्रश्न -पत्र में दिये गये विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन अध्ययन हेतु करना होगा ।

विकल्प-1

पाठ्यक्रम का नाम : लोक साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(i)

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : लोक और लोक वार्ता, लोकवार्ता और लोक विज्ञान । लोक-संस्कृति : अवधारणा, लोक संस्कृति और लोक साहित्य : लोक साहित्य : अवधारणा, संस्कृत वाङ्गमय में लोकोनोन्मुखता ।

इकाई-2 : हिंदी साहित्य में लोक तत्त्व, अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अन्तःसम्बन्ध।

इकाई-3 : हिंदी लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता । लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ ।

इकाई-4 : लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण-लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य, लोक संगीत ।

इकाई-5 : ब्रज लोक साहित्य-ब्रज लोक साहित्य का इतिहास, ब्रज लोक जीवन एवं लोक संस्कृति, ब्रज लोकगाथा, ब्रज लोक कथा, लोक साहित्य में काव्यत्व ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पांच लघु उत्तरीय प्रश्न-	5X5=	25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1=	20 अंक
कुल		75 अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

अनुशंसित पुस्तकें-1. भारतीय लोक साहित्य-श्याम परमार, 2. लोक साहित्य विज्ञान- डॉ. सत्येन्द्र, 3. लोक साहित्य की भूमका-डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, 4. ब्रज को लोकमंगल का संसार-श्रीमती शकुन्तला देवी ।

विकल्प-2

पाठ्यक्रम का नाम : हिंदी आलोचना

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(ii)

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : हिंदी आलोचना का स्वरूप, हिंदी आलोचना का विकास, शुक्ल युगीन हिंदी आलोचना, शुक्लोत्तर युगीन हिंदी आलोचना, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी आलोचना ।

इकाई-2 : हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियाँ-काव्यशास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौन्दर्यवादी, प्रभाववादी, समाजशास्त्रीय, तुलनात्मक ।

इकाई-3 : हिंदी आलोचक-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ.नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पांच लघु उत्तरीय प्रश्न-	5X5=	25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1=	20 अंक
कुल		75 अंक

अनुशंसित पुस्तकें-1. त्रिवेणी-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, 2. हिन्दी आलोचना-विश्वनाथ त्रिपाठी, 3. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य शुक्ल, 4. दूसरी परम्परा की खोज-नामवर सिंह ।

विकल्प-3

पाठ्यक्रम का नाम : हिंदी साहित्य के भक्तिकालका विशेष अध्ययन

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(iii)

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : भक्तिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं कवियों का सामान्य परिचय ।

इकाई-2 : कबीर-कबीर ग्रंथावली-संपादक श्यामसुन्दर दास (ज्ञान विरह को अंग, परचा को अंग) पद संख्या-1, 8, 16, 69, 75, 92, 175, 311, 396, 398, 401, 402 ।

इकाई-3 : जायसी-जायसी ग्रंथावली-संपादक-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल-सिंघल द्वीप वर्णन ।

इकाई-4 : सूरदास-भ्रमरगीत सार-संपादक-आचार्य शुक्ल-प्रारम्भ के बीस पद ।

इकाई-5 : तुलसीदास-विनय पत्रिका (पद संख्या 90-120 तक), रामचरितमानस-उत्तरकाण्ड प्रारंभिक 10 दोहे-चौपाइयाँ

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

अनुशंसित पुस्तकें-1. कबीर-हजारी प्रसाद द्विवेदी, 2. हिंदी प्रेमाख्यान परंपरा-परशुराम चतुर्वेदी, 3. सूर की काव्यकला- डॉ. मनमोहन गौतम, 4. तुलसी काव्य मीमांसा-डॉ. उदयभानु सिंह ।

विकल्प-4

पाठ्यक्रम का नाम : भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(iv)

पाठ्यक्रम

इकाई-1- भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, भारतीयता का समाजशास्त्र, हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति ।

इकाई-2- बंगला साहित्य का इतिहास

इकाई-3-गुजराती साहित्य तथा हिंदी साहित्य के इतिहास का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई-4-निम्नलिखित में से प्रत्येक विधा की पुस्तक का केवल आलोचनात्मक अध्ययन किया जाएगा-

उपन्यास-संस्कार-यू. आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)

कविता संग्रह-कोच्चि के दरख्त-के. जी. शंकर पिल्लै (मलयालम)

नाटक-घासीराम कोतवाल-विजय तेंदुलकर (मराठी)

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न-	05X5=25	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

अनुशंसित पुस्तकें-1. भारतीय साहित्य की रूपरेखा-विजयशंकर मिश्र, 2. भारतीय साहित्य-डॉ. नगेन्द्र, 3. भारतीय साहित्य की भूमिका-डॉ. रामविलास शर्मा ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

विकल्प-5

पाठ्यक्रम का नाम : पाठालोचन

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(v)

पाठ्यक्रम-

इकाई-1-पाठालोचन : आशय एवं स्वरूप, पाठालोचन की दिशा ।

इकाई-2-सामग्री और उसकी परीक्षा, पाठ विकृतियाँ, प्रतिलिपिकार, प्रतियों का वंश निर्माण ।

इकाई-3-पाठ निर्धारण, पाठ-सुधार ।

इकाई-4-उच्चतर आलोचना ।

इकाई-5-हिंदी साहित्य की पाठ समस्याएँ, हिंदी पाठालोचन का संक्षिप्त इतिहास ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न-		05X5=25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-		20X1= 20 अंक
	कुल	75 अंक

अनुशंसित पुस्तकें-1. पाठ संपादन के सिद्धांत-डॉ. कन्हैया सिंह । 2. पाठालोचन : सिद्धांत और प्रक्रिया- डॉ. मिथलेश कांति, डॉ. विमलेश कांति

विकल्प-6

पाठ्यक्रम का नाम : भाषाविज्ञान

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(vi)

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा के अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषाविज्ञान का स्वरूप, भाषा विज्ञान की शाखाएँ-कोश विज्ञान, व्युत्पत्ति विज्ञान, लिपि विज्ञान, समाजभाषा विज्ञान, मानक हिंदी का भाषावैज्ञानिक विवरण (रूपगत), भाषा भूगोल का सामान्य परिचय ।

इकाई-2: स्वन विज्ञान-स्वन विज्ञान का स्वरूप, स्वन विज्ञान की शाखाएँ-औच्चारिकी तथा श्रोतिकी, स्वन की परिभाषा और वर्गीकरण, स्वर वर्गीकरण, व्यंजन वर्गीकरण, स्वनिम विज्ञान, स्वनिम के भेद ।

इकाई-3 : रूप विज्ञान, रूप की परिभाषा और स्वरूप । वाक्य-विज्ञान-वाक्य की परिभाषा और स्वरूप ।

इकाई-4 : अर्थ विज्ञान-अर्थ की प्रतीति, शब्द और अर्थ का संबंध । अर्थ बोध के साधन । अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और अर्थ परिवर्तन के कारण ।

इकाई-5 : भाषाविज्ञान और साहित्य । साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पांच लघु उत्तरीय प्रश्न-	5X5=	25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1=	20 अंक
कुल		75 अंक

अनुशंसित पुस्तकें-1. भाषाविज्ञान-डॉ. भोलनाथ तिवारी, 2. भाषाविज्ञान की भूमिका-डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा ।

विकल्प-7

पाठ्यक्रम का नाम : हिंदी सिनेमा और साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(vii)

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : सिनेमा का स्वरूप, सिनेमा का उद्भव, सिनेमा के प्रकार ।

इकाई-2 : सिनेमा का इतिहास, सिनेमा का आरंभिक युग, साठोत्तरी न्यू वेव सिनेमा ।

इकाई-3 : इन्टरनेट और 21वीं सदी में सिनेमा के नये रूप, वेव सीरीज, ओटीटी सिनेमा।

इकाई-4 : हिंदी सिनेमा : समाज और संस्कृति मनोविज्ञान और सिनेमा, स्त्री विमर्श और सिनेमा, राष्ट्रीयता और सिनेमा, हिंदी सिनेमा और मूल्य बोध, हिंदी सिनेमा में मध्य वर्ग, हिंदी सिनेमा में श्रमिक वर्ग, हिंदी सिनेमा में दलित ।

इकाई-5 : सिनेमा और साहित्य का संबंध, साहित्यिक कृतियों में बनी हिंदी फिल्मों का विशेष अध्ययन : गोदान, शतरंज के खिलाड़ी, तीसरी कसम, तमस, रजनीगंधा।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पांच लघु उत्तरीय प्रश्न-	5X5=	25 अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1=	20 अंक
कुल		75 अंक

अनुशंसित पुस्तकें-1.हिंदी सिनेमा, सदी का सफर- अनिल भार्गव, साहित्य सिनेमा और समाज-पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी, 2. भारतीय सिनेमा का सफरनामा-संपादक-जयसिंह ।

विकल्प-8

पाठ्यक्रम का नाम : रचना विशेष का अध्ययन : रामचरितमानस

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(viii)

पाठ्यक्रम :

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

नोट-इस प्रश्न-पत्र में पाठ्यसामग्री एवं अध्ययन बिंदुओं का निर्धारण संबंधित शिक्षक द्वारा किया जायेगा ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

अनुशंसित पुस्तकें-1.तुलसी-संपादक-डॉ. उदयभानु सिंह 2. रामचरितमानस-संपादक-सुधाकर पाण्डेय ।

विकल्प-9

पाठ्यक्रम का नाम : रचना विशेष का अध्ययन : कामायनी

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(ix)

पाठ्यक्रम :

नोट-इस प्रश्न-पत्र में पाठ्यसामग्री एवं अध्ययन बिंदुओं का निर्धारण संबंधित शिक्षक द्वारा किया जायेगा ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

अनुशंषित पुस्तकें-1.कामायनी अध्ययन की समस्याएँ-डॉ. नगेन्द्र 2. कामायनी भाष्य-द्वारिका प्रसाद सक्सैन ।

विकल्प-10

पाठ्यक्रम का नाम : रचना विशेष का अध्ययन : स्मृति की रेखाएँ

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(x)

पाठ्यक्रम :

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

नोट-इस प्रश्न-पत्र में पाठ्यसामग्री एवं अध्ययन बिंदुओं का निर्धारण संबंधित शिक्षक द्वारा किया जायेगा ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

अनुशंषित पुस्तकें-1. हिंदी का गद्य साहित्य-डॉ. रामचन्द्र तिवारी, 2. महादेवी का गद्य एक मूल्यांकन-डॉ. विजय प्रकाश उपाध्याय ।

विकल्प-11

पाठ्यक्रम का नाम : रचना विशेष का अध्ययन : क्या भूलूँ क्या याद करूँ

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(xi)

पाठ्यक्रम :

नोट-इस प्रश्न-पत्र में पाठ्यसामग्री एवं अध्ययन बिंदुओं का निर्धारण संबंधित शिक्षक द्वारा किया जायेगा ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

विकल्प-12

पाठ्यक्रम का नाम : रचना विशेष का अध्ययन : उर्वशी

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(xii)

पाठ्यक्रम :

नोट-इस प्रश्न-पत्र में पाठ्यसामग्री एवं अध्ययन बिंदुओं का निर्धारण संबंधित शिक्षक द्वारा किया जायेगा ।

अंक विभाजन-

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

विकल्प-13

पाठ्यक्रम का नाम : रचना विशेष का अध्ययन : मुझे चाँद चाहिए

पाठ्यक्रम कोड : A0101004T(xiii)

पाठ्यक्रम :

नोट-इस प्रश्न-पत्र में पाठ्यसामग्री एवं अध्ययन बिंदुओं का निर्धारण संबंधित शिक्षक द्वारा किया जायेगा ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा-** **25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा-** **75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

Programme / **Class : M.A. Hindi /** **(Hindi)**	**M.A. Hindi 2nd Year/** **M. A. Hindi 5th Year** **(**नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु**)**	**M. A. Hindi IVth Semester/** **M. A. Hindi 10th Semester** **(**नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु**)**
Course Code **A0101005T** अनिवार्य प्रश्न-पत्र-5 (वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)	**Course Title** **समकालीन विमर्श-2**	**Credit-**5 **कुल अंक – 100** **आंतरिक मूल्यांकन -25** **बाह्य मूल्यांकन-75**

नोट-यह प्रश्न-पत्र वैकल्पिक है इसके अंतर्गत 2 विकल्प अध्ययन के लिए दिये जायेंगे जिनमें से किसी एक विकल्प का चयन अध्ययन हेतु विद्यार्थी को करना होगा ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By: Registrar

विकल्प-1

पाठ्यक्रम का नाम : प्रवासी साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : A0101005T(i)

पाठ्यक्रम :

- प्रवासी साहित्य : आशय एवं स्वरूप । प्रमुख हिंदी प्रवासी साहित्यकार एवं उनका रचना कर्म ।
- उपन्यास-हवन (सुषम बेदी) अथवा नक्काशीदार कैबिनेट (अनिलप्रभा कुमार) अथवा रेड वाइन जिंदगी-निर्मल जसवाल
- कहानी-उस स्त्री का नाम (इला प्रसाद), अखबार वाला (सुदर्शन प्रियदर्शिनी)
- कविता- ग्रैवयार्ड, माँ, वसुधा : स्त्री (पुष्पिता अवस्थी), सच्ची खबर (हेमराज सुंदर)

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
दो व्याख्याएँ-	02X7.5=15	अंक
दो लघु उत्तरीय प्रश्न-	02X5=10	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

अनुशंसित पुस्तकें-

1.प्रवासी हिंदी साहित्य दशा एवं दिशा-संपादक प्रो. प्रदीप श्रीधर, 2. कथा धर्मी तेजेन्द्र-संपादक-प्रो. प्रदीप श्रीधर, 3. प्रवासी हिंदी साहित्य और सुदर्शन प्रियदर्शिनी-संपादक प्रो. प्रदीप श्रीधर

विकल्प-2

पाठ्यक्रम का नाम : किन्नर विमर्श

पाठ्यक्रम कोड : A0101005T(ii)

पाठ्यक्रम :

- किन्नर विमर्श : आशय एवं स्वरूप, किन्नर जीवन की समस्याएँ, हिंदी साहित्य का किन्नर विमर्श की विकास यात्रा ।
- किन्नर विमर्श के प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ ।

अंक विभाजन-

1. **आंतरिक परीक्षा- 25 अंक**
2. **बाह्य परीक्षा- 75 अंक**

बाह्य परीक्षा के कुल 75 अंकों का विभाजन निम्नवत् होगा -

दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-	2X15=	30 अंक
पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न-	05X5=25	अंक
वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न-	20X1= 20	अंक
कुल	75	अंक

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

Programme / **Class : M.A. Hindi /**	**M.A. Hindi 2nd Year/** **M. A. Hindi 5th Year** **(**नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु**)**	**M. A. Hindi IVth Semester/** **M. A. Hindi 10th Semester** **(**नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बी. ए. इन रिसर्च करने वाले विद्यार्थियों हेतु**)**
Course Code **A0101006 R** अनिवार्य प्रश्न-पत्र-**6**	**Course Title** **शोध परियोजना**	**Credit**-4 **कुल अंक – 100**

नोट- 1. इस सत्र में विद्यार्थियों द्वारा शोध परियोजना के द्वितीय चरण को पूर्ण किया जायेगा ।
2. पूर्ण की गयी शोध परियोजना का मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षक द्वारा
होगा ।

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar